दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 339 | ग्वालियर, बुधवार 20 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

गाबा में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद अकरम, अफरीदी और अख्तर भी फिदा हुए टीम इंडिया पर, जमकर की तारीफ

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया को ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर तीन विकेट से हराया, उसने पूरे क्रिकेट जगत को हिलाकर रख दिया। गाबा में ऑस्ट्रेलिया ने 32 सालों में पहली बार किसी टेस्ट मैच में हार का सामना किया है। क्रिकेट जगत की तमाम दिग्गज हस्तियां टीम इंडिया की तारीफों के पुल बांध रही हैं और इस मामले में पाकिस्तान के कुछ दिग्गज खिलाड़ी भी पीछे नहीं रहे। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम, शोएब अख्तर और शाहिद अफरीदी ने जमकर टीम इंडिया की तारीफ की है। विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, ईशांत शर्मा, उमेश यादव, हनुमा विहारी, मोहम्मद शमी इन दिग्गजों की गैर मौजूदगी में दोयम दर्जे की टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को गाबा टेस्ट में तीन विकेट से हराया और सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

टीम इंडिया की कप्तानी को लेकर रहाणे का जवाब जीत लेगा आपका दिल–वसीम अकरम ने ट्विटर पर लिखा, अविश्वसनीय टेस्ट और सीरीज जीत भारत के लिए। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर ऐसी बोल्ड, साहसिक और दमदार एशियाई टीम के लिए इससे मुश्किल दौरा नहीं देखा है। कोई विषमता इस टीम को रोक नहीं पाई, स्टार क्रिकेटरों की इंजरी, 36 रनों पर ऑलआउट होने के बाद, बाकियों के लिए प्रेरणादाई। जबर्दस्त भारत। अख्तर ने ट्विटर पर लिखा, सीरीज में 36 रनों पर ऑलआउट होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सीरीज जीतना, वाह। वहीं शाहिद अफरीदी ने ट्विटर पर लिखा, अविश्वसनीय प्रदर्शन भारत का। इतनी सारी इंजरी के बाद टीम इंडिया ने जबर्दस्त जीत दर्ज की, भारतीय टीम को बधाई। यह सीरीज लंबे समय तक याद रखी जाएगी।

वैक्सीनेशन में आने वाली दिक्कतों को सरकार ने किया दूर, अब ऑन-स्पॉट भी होगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस (कोविड 19) टीकाकरण स्थलों पर कम स्वास्थ्य कर्मियों के टीकाकरण के मुद्दे से निपटने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने को-विन ऐप को संशोधित कर अब ऑन-स्पॉट लाभार्थी पंजीकरण की अनुमति दी है और अपग्रेड के साथ राज्य भी वॉक-इन करा सकते हैं। कोविड -19 टीकाकरण पर अधिकार प्राप्त समूह के डॉ. आरएस शर्मा ने कहा कि प्रति साइट पर अनुमत औसत टीकाकरण सत्र 100 हैं। हमें कुछ केंद्रों में बताया गया कि कम लोग आ रहे हैं। हमने ऐप में एक प्रावधान किया है ताकि लाभार्थियों को अन्य तारीखों पर टीके लेने के लिए निर्धारित किया जान सके। इससे पहले सॉफ्टवेयर को दिन की सूची के बाहर लाभार्थियों को स्वीकार करने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया था, लेकिन अब वे कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर में बदलाव करना ठीक है क्योंकि ऐसा न करने से बहुत सारे संसाधन बेकार जा सकते हैं, जैसे कि ह्यूमन रिसोर्स जो केंद्र में है, वैक्सीन की आपूर्ति आदि। तब तक जो व्यक्ति पहुंचा है उसे टीका मिलना चाहिए। टीका प्राप्त करने के लिए, भले ही वे किसी अन्य दिन के लिए पंजीकृत हों, यह कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि संसाधनों और समय की बर्बादी क्यों की जाए जब हमें किसी भी तरह स्वास्थ्य कर्मियों की एक संख्या को टीका लगाना ही है। देश में कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू होने के प्रारंभिक तीन दिनों में पौने चार लाख से अधिक लोगों को टीका लगाया जा चुका है। प्राप्त रिपोर्टों के मुताबिक प्राथमिकता वाले समूह में शामिल 3.81 लाख से अधिक लोगों का अब तक टीकाकरण किया जा चुका है। कोरोना का टीका लगने के बाद अब तक 580 लोगों में दुष्प्रभाव की सूचनाएं हैं जबकि दो लोगों को वैक्सीन की डोज दिये जाने के बाद हृदयसंबंधी विकार उत्पन्न होने के कारण मौत हो गयी। मुरादाबाद में एक 52 वर्षीय व्यक्ति और कनार्टक में 42 वषीर्य व्यक्ति की मौत की हालांकि वैक्सीन से होने की अभी पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 जनवरी को देश में विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया था।

4 दिन में 6 लाख लोगों को टीका, भारत में धीमा टीकाकरण है चिंता की बात?

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खिलाफ भारत की निर्णायक जंग जारी है। भारत में कोरोना वायरस से मुक्ति के लिए जितनी तेजी से वैक्सीन तैयार की गई, टीकाकरण को लेकर वैसा उत्साह दिख नहीं रहा है। दुनिया के सबसे बड़े कोरोना टीकाकरण अभियान को शुरू हुए चार दिन बीत चुके हैं। पहले चरण के तहत देश में तीन करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स को टीका लगाया जाना है। अब तक कुल 6.31 लाख लोगों (स्वास्थ्यकर्मियों) को टीका लगाया जा सका है। टीकाकरण की रफ्तार धीमी होने की कई वजहें हैं, मसलन कई जगह कोविन एप में तकनीकी खामी और लोगों में डर। हालांकि, ऐसा नहीं है कि सिर्फ भारत में ही शुरुआत में टीकाकरम की रफ्तार देखने को मिल रही है। दुनिया के जिन देशों में पहले टीकाकरण अभियान शुरू हुए, वहां भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में टीकाकरण अभियान की शुरुआत के बाद चौथे दिन यानी मंगलवार शाम तक 11,660 सत्र के जरिए कुल 6.31 लाख स्वास्थ्यकर्मियों को कोविड-19 का टीका लगाया गया। मंगलवार को शाम छह बजे तक 3,800

सत्र के जरिए 1,77,368 लाभार्थियों को टीका लगाया गया मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि टीका लगाने के बाद प्रतिकूल प्रभाव (एईएफआई) के केवल नौ मामलों में अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ी। रिपोर्ट की मानें तो प्राथमिकता वाले समूह में शामिल जितने लोगों को टीका लगा है, उनमें से कोरोना का टीका लगने के बाद अब तक करीब 600 लोगों में दुष्प्रभाव की सूचनाएं हैं, जबकि दो लोगों को वैक्सीन की डोज दिये जाने के बाद हृदयसंबंधी विकार उत्पन्न होने के कारण मौत हो गई। मुरादाबाद में एक 52 वषीर्य व्यक्ति और कनार्टक में 42 वषीर्य व्यक्ति की मौत हुई। हालांकि, इन दोनों की मौत का वैक्सीन से कोई लेना देना नहीं है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि जितने लोगों को टीका लगा है, उसके हिसाब से साइड इफेक्ट के मामले में एक फीसदी से भी बहुत कम हैं।

कई राज्यों में रफ्तार धीमी–टीकाकरण की रफ्तार दिल्ली, पंजाब समेत कई राज्यों में काफी धीमी है। दिल्ली स्थित एम्स में 18 जनवरी को केवल आठ लोगों को टीका लग पाया। पंजाब में

भी 5,900 फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं में से केवल 36 फीसदी ही टीका लेने पहुंचे। उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और **तेलंगाना में टीका**–लगाने का काम अन्य राज्यों के मुकाबले बेहतर है।

कृषि कानूनों पर जारी रहेगा घमासान या कुछ निकलेगा समाधान?

किसानों-सरकार में आज दसवें दौर की बातचीत

नई दिल्ली। दिल्ली की सीमाओं पर नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों का हल्लाबोल जारी है। प्रदर्शनकारी किसान कृषि कानूनों की वापसी की मांग पर अड़े हैं। आज यानी कि 20 जनवरी को एक बार फिर से किसान संगठनों और सरकार के बीच दसवें दौर की वार्ता होगी। अब तक किसानों और सरकार के बीच नौ दौर की बैठक हो चुकी है, मगर सभी बेनतीजा ही रहे हैं। न तो सरकार इस मसले पर झुकना चाहती है और न ही किसान अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार हैं। केंद्र ने कहा है कि दोनों पक्ष जल्द से जल्द गतिरोध सुलझाना चाहते हैं लेकिन अलग विचारधारा के लोगों की संलिप्तता की वजह से इसमें देरी हो रही है। यह बैठक मंगलवार को होनी थी, मगर इसे आज के लिए अंतिम वक्त में टाल दिया गया। बता दें कि आज सुप्रीम कोर्ट में किसानों की ट्रैक्टर रैली के मसले पर भी सुनवाई है।

सरकार ने यह दावा किया कि नये कृषि कानून किसानों के हित में हैं और कहा कि जब भी कोई अच्छा कदम उठाया जाता है तो इसमें अड़चनें आती हैं। सरकार ने कहा कि मामले को सुलझाने में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि किसान नेता अपने हिसाब से समाधान चाहते हैं। कृषि मंत्रालय के एक बयान में सोमवार को कहा गया कि विज्ञान भवन में किसान संगठनों के साथ सरकार के मंत्रियों की वार्ता 19 जनवरी के बजाए 20 जनवरी को दोपहर दो बजे होगी। उच्चतम न्यायालय द्वारा इस मामले को सुलझाने के मकसद से गठित समिति ने मंगलवार को अपनी पहली बैठक की। कृषि सचिव संजय अग्रवाल ने 40 किसान संगठनों को एक पत्र में कहा कि प्रदर्शनकारी किसान संगठनों के साथ सरकार के मंत्रियों की वार्ता 19 जनवरी को होने वाली थी। अपरिहार्य कारणों से बैठक को टालना आवश्यक हो गया। उन्होंने कहा था कि अब बैठक विज्ञान भवन में 20 जनवरी को दोपहर दो बजे से होगी। आपसे बैठक में भागीदारी करने का आग्रह किया जाता है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री पुरषोत्तम रूपाला ने का कहना है कि जब किसान हमसे सीधी बात करते हैं तो अलग बात होती है लेकिन जब इसमें नेता शामिल हो जाते हैं, अड़चनें सामने आती हैं। अगर किसानों से सीधी वार्ता होती तो जल्दी समाधान हो सकता था। उन्होंने कहा कि चूंकि विभिन्न विचारधारा के लोग इस आंदोलन में प्रवेश कर गए हैं, इसलिए वे अपने तरीके से समाधान चाहते हैं। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों के किसान दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर पिछले करीब दो महीनों से तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस बीच डिजिटल माध्यम से एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दोहराया कि तीनों कृषि कानून किसानों के लिए लाभकारी होंगे। उन्होंने कहा था कि पिछली सरकारें भी ये कानून लागू करना चाहती थीं लेकिन दबाव के कारण वे ऐसा नहीं कर सकीं। मोदी सरकार ने कड़े निर्णय लिए और ये कानून लेकर आई। जब भी कोई अच्छी चीज होती है तो अड़चने भी आती हैं।

बंगाल में भीषण सड़क हादसा, जलपाईगुड़ी में कोहरा बना काल, 13 लोगों की मौत

नई दिल्ली। ठंड और कोहरे के चलते उत्तर भारत का बुरा हाल है। कोहरे की मोटी चादर अब दुर्घटनाओं का कारण बनने लगी है। ऐसा ही कुछ हुआ जब पश्चिम बंगाल में कल रात जलपाईगुड़ी जिले के धुपगुरी शहर में कोहरे के चलते लो विजीबिलीटी के कारण एक दुर्घटना में 13 लोगों की मौत हो गई। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। इधर, बीते कई दिनों से देश की राजधानी दिल्ली भी ठंड का कहर झेल रही है। सोमवार सुबह भी जब दिल्ली में आंखे खोली तो सब धुंधला दिखा, दिल्ली पर कोहरे की घनी चादर दिखाई दी। कश्मीरी गेट और मजनू का टीला इलाके में इतना कोहरा था कि आने-जाने वालों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने भी जानकारी दी कि दिल्ली में सुबह के समय कोहरे की एक परत बनी हुई है। दिल्ली हरियाणा के सिंघू बॉर्डर पर कोहरा देखने को मिला है। कोहरे के साथ-साथ शीत लहर और सर्दी ने भी दिल्ली वालों पर कहर बरसाया है, ऐसी उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में

लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिल सकती है।

कोहरे के चलते देरी से चल रही ट्रेनें–सोमवार को उत्तर रेलवे (एनआर) मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) ने ये जानकारी दी कि कोहरे के चलते लो विजिबिलीटी के कारण 26 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। रविवार को कोहरे की वजह से नई दिल्ली-प्रयागराज खंड में लगातार चौथे दिन एक दर्जन से अधिक ट्रेनें घटों विलंब से आईं। प्रयागराज एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस, वंदे भारत जैसी ट्रेनें खंड के ट्रैक पर रेंगती रहीं। नई दिल्ली से प्रयागराज आने वाली ट्रेनें बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। खंड में सबसे तेज चलने वाली ट्रेन नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत लगभग तीन घंटे विलंब से आई तो इसकी वापसी समय से नहीं सकी। वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली वंदे भारत भी दो घंटे 20 मिनट लेट हो गई। इसी तरह ऊंचाहार एक्सप्रेस चार घंटे विलंब से आई तो वापसी यात्रा तीन घंटे विलंब से हुई।

बिहार में शराबबंदी: एसपी का पत्र वायरल, उत्पाद इंस्पेक्टर से लेकर सिपाही तक शराब के धंधे में लिप्त हैं...

पटना। बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब का धंधा होने को लेकर एसपी मद्यनिषेध ने उत्पाद विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर सवाल खड़ा किया है। एसपी द्वारा शराब के धंधे में उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर, दारोगा और सिपाही के संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए इनके और रिश्तेदारों की संपत्ति की जांच करने को कहा गया है। इस बाबत उन्होंने सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को पत्र लिखा है। यह पत्र सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है। एसपी मद्यनिषेध द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि बिहार के सभी थाना क्षेत्र में चोरी-छुपे उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर, दारोगा और सिपाही को चढ़ावा चढ़ाकर शराब की खरीद-बिक्री का धंधा किया जा रहा है। इससे शराबबंदी कानून का मजाक उड़ रहा है। उन्होंने विगत वर्षों से उत्पाद विभाग में कार्यरत इंस्पेक्टर, दारोगा और सिपाहियों के साथ उनके रिश्तेदारों की चल-अचल संपत्ति की जांच करने के साथ ही इनके परिवार के सदस्यों के मोबाइल लोकेशन की जांच करने को कहा है। यह पत्र 6 जनवरी को लिखा गया है।

माइनस 14 डिग्री तापमान के बीच

बर्फीले पानी में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने क्यों लगाई डुबकी?

> इपिफनी के अवसर पर इसाई धर्म को मानने वाले लोग पारंपरिक रूप से किसी बर्फीले पानी वाले नदी, तालाब या पुल में डुबकी लगाते हैं। इपिफनी के मौके पर बर्फीले पानी में पुतिन की डुबकी लगाती तस्वीर रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से पोस्ट की गई है, जिसमें वह चारों तरफ बर्फ से घिरे पुल में शर्टलेस होकर डुबकी लगाते दिखते हैं।

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार यानी 19 जनवरी को माइनस 14 डिग्री तापमान में बर्फीले पानी में आस्था की डुबकी लगाई। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फीस्ट डे यानी इपिफनी (एपिफनी) के मौके पर ईसाई धर्म के अनुष्ठान के रूप में मॉस्को में बर्फीले पानी वाले पुल में डुबकी लगाई। इसकी तस्वीर रूसी राष्ट्रपति के ट्विटर हैंडल से जारी की गई है। बता दें कि रूस में इपिफनी के मौके पर बर्फीले पाने में डुबकी लगाने को पवित्र माना जाता है।

यहां बताना जरूरी है कि ईसाई धर्म के पवित्र पर्व इपिफनी के मौके पर ईसाई धर्म के मानने वाले लोग बर्फीले पानी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। 68 साल के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इसी परंपरा के तहत डुबकी लगाई है। इपिफनी के अवसर पर इसाई धर्म को मानने वाले लोग पारंपरिक रूप से किसी बर्फीले पानी वाले नदी, तालाब या पुल में डुबकी लगाते हैं। इपिफनी के मौके पर बर्फीले पानी में पुतिन की डुबकी लगाती तस्वीर रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से पोस्ट की गई है, जिसमें वह चारों तरफ बर्फ से घिरे पुल में शर्टलेस होकर डुबकी लगाते दिखते हैं। तस्वीर में दिख रहा है कि राष्ट्रपति पुतिन बर्फीले पानी वाले पुल तक एक ओवरकोट पहनकर आते हैं और फिर डूबकी लगाते वक्त वह शर्टलेस नजर आते हैं। तस्वीर में पुतिन काफी फिट और स्वस्थ नजर आए, जिससे उनकी खराब सेहत की अटकलें भी खारिज हो गईं। ऐसी मान्यता है कि ईसा मसीह ने जॉर्डन नदी में डुबकी लगाई थी और इस दिन बर्फीले पाने में डुबकी लगाने से पाप धूल जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि ईसाई धर्म के लोग मानते हैं कि मध्य रात्रि में इस अवसर पर नदी, तालाब या पुल का पानी पवित्र हो जाता है। राष्ट्रपति पुतिन की डुबकी लगाती तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। रूसी राष्ट्रपति के ट्विटर हैंडल पर ही अब तक इसे तीन हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं और सात सौ के करीब रीट्वीट हो चुके हैं।

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है
सम्पर्क करें
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
फोन: 0751-4901403
मो. 7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर....

एटा से किसानों की पैदल यात्रा गभाना क्षेत्र के गांव नवादा मैं पहुंची

एटा अखिल भारतीय किसान यूनियन की पैदल यात्रा नोवें दिन गभाना क्षेत्र से चलकर बुलंदशहर के गांव नवादा में पहुंची एवं रास्ते में हजारों किसानों के द्वारा जबरदस्त स्वागत किया गया अंत में यात्रा जनपद बुलंदशहर के गांव नवादा मैं पहुंची कल प्रातः 11ः00 बजे से पैदल यात्रा चलकर कल शाम को गाजियाबाद की तरफ रात्री मैं रूकेगी उक्त यात्रा के समय संगठन के पदाधिकारियों ने पूरे देश में चल रहे किसानों के आंदोलन के विषय में विस्तार से बताया और आंदोलन में निरंतर सहयोग करने की अपील की यात्रा को सफल बनाने के लिए किसानों से अधिक से अधिक समय निकालने की अपील की और बताया कि यह आंदोलन किसानों के लिए जीवन मरण का सवाल है इसको हर हाल में किसान बिरादरी के सारे लोगों को मिलकर के जीतना ही होगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से- अखिल संघर्षी राष्ट्रीय अध्यक्ष, तेज सिंह वर्मा राष्ट्रीय महासचिव, संजीव प्रधान राष्ट्रीय संयोजक, रामकिशन यादव प्रदेश अध्यक्ष, दिनेश चंद्र युवा राष्ट्रीय महासचिव, सत्यबीर सिंह यादव प्रदेश महासचिव बुलंदशहर, आशुतोष, सुरेन्द्र सिंह नेताजी मेनपुरी, मौ0 सादिक जिलाध्यक्ष बुलंदशहर, ठा0 भानुप्रताप सिंह, बाबूराम वर्मा, रतनेश सिंह सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

यूपी पंचायत चुनावः इस बार 880 जगह नहीं होगा ग्राम प्रधान का चुनाव,जानिए

अंकित कुमार रिपोर्टर

वर्ष 2015 में हुए उत्तर प्रदेश के त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के मुकाबले इस बार राज्य में ग्राम प्रधानों के 880 पद कम हो गये हैं। राज्य में विकास खण्डों की संख्या 821 से बढ़कर 826 हो गयी है। अब क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष यानि ब्लाक प्रमुख के पदों में 5 पदों का इजाफा हो गया है। वर्ष 2015 में हुए पंचायत चुनाव में प्रदेश में कुल 59074 ग्राम प्रधानों के पद पर चुनाव हुए थे मगर इस बार हुए संक्षिप्त परिसीमन में 880 ग्राम पंचायतें शहरी क्षेत्र में शामिल कर लिये जाने की वजह से अब इस दफा प्रदेश में होने जा रहे पंचायत चुनाव में कुल 58194 ग्राम प्रधानों के पद पर ही चुनाव होंगे। ग्राम पंचायतों की संख्या कम होने के साथ ही ग्राम पंचायतों के वार्ड भी कम हो गये हैं। 2015 के पंचायत चुनाव में प्रदेश में कुल 744558 ग्राम पंचायत सदस्यों के पद पर चुनाव हुए थे जबकि इस बार 731813 ग्राम पंचायत सदस्यों के पद पर ही चुनाव होंगे। यह सारे आंकड़े उस रिपोर्ट के हैं जो प्रदेश में होने जा रहे त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों के तहत पंचायतीराज निदेशालय ने सोमवार को राज्य निर्वाचन आयोग को सौंपे। बताते चलें कि प्रदेश के 71 जिलों में इस बार संक्षित परिसीमन हुआ जबकि गोण्डा, सम्भल, मुरादाबाद, गौतमबुद्धनगर में पूर्ण परिसीमन करवाया गया क्योंकि 2015 के पंचायत चुनाव में कानूनी अड़चनों की वजह से इन चार जिलों में परिसीमन नहीं करवाया जा सका था। इन नये आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में सर्वाधिक 1858 ग्राम पंचायतों वाला जिला आजमगढ़ है, 2015 में इस जिले में कुल 1872 ग्राम पंचायतें थीं। दूसरे नम्बर पर सबसे ज्यादा ग्राम पंचायतें जौनपुर में 1740 हैं, 2015 के चुनाव में यहां 1773 पंचायतें थीं। प्रदेश में जिला पंचायत सदस्यों के पद भी कम हो गये हैं। 2015 के चुनाव में प्रदेश की कुल 75 जिला पंचायतों में 3120 वार्ड थे जबकि इस बार इनमें 69 वार्ड कम हो गये हैं, इस तरह से इस बार के चुनाव में कुल 3052 जिला पंचायत सदस्यों के पदों पर ही चुनाव होगा।

बिल भुगतान हेतु चैक स्वीकार किए जाएं : एमपीसीसीआई

ग्वालियर । म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) द्वारा बिजली बिल भुगतान हेतु चैक स्वीकार किए जाने के लिए ऊर्जा मंत्री-श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक को पत्र प्रेषित किया गया है। एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 1 जून,2020 से उपभोक्ताओं के विद्युत बिलों के भुगतान हेतु चेकस्वीकार नहीं किये जा रहे हैं।वितरण कंपनी द्वारा चैक स्वीकार न करने के कारण हजारों उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि बहुत से उपभोक्ता अब तक डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग नहीं कर पाते हैं अथवा उपयोग करने में सहज महसूस नहीं करते हैं।वहीं डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने में अतिरिक्त चार्ज लिया जाता है। एमपीसीसीआई ने सुझाव दिया है कि यदि चैक अनादृत होने की समस्या के चलते वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है तो इस स्थिति से निपटने के लिए जिन उपभोक्ताओं का चैक एक बार अनादृत हो जाये उनके चैक भविष्य में स्वीकार न किए जाने का प्रावधान सॉफ्टवेयर में किया जा सकता है। एमपीसीसीआई ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि उपभोक्ताओं को बिल भुगतान हेतु चेक की सुविधा जारी रखी जाए ताकि बिल भुगतान में होने वाली असुविधा एवं अतिरिक्त चार्ज की राशि से उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।उपभोक्ताओं द्वारा बिजली कंपनी से इसकी मांग काफी समय से की जा रही है जबकि बिजली कंपनी कोई न कोई एक्सक्यूज देकर यह व्यवस्था पुनः लागू नहीं कर रही है।यदि बिजली कंपनी ने यह व्यवस्था शीघ्र प्रारंभ नहीं की तो ग्वालियर अंचल के उपभोक्ताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है और चेम्बर इसमें अग्रणी भूमिका निभाने को तत्पर है।

महाराष्ट्र में भिंड जिले के 28 युवकों को बनाया बंधक शोसल मीडिया से मांगी मदद

भिण्ड(अर्पित गुप्ता)। महाराष्ट्र के कल्याण में भिंड जिले के 28 युवाओं को रोजगार के लिए ले जाकर वहां बंधक बना लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फूप थाना क्षेत्र के ग्राम दतावली एवं जाजेपुरा के 28 युवकों को रोजगार के लिए कल्याण के लिए दलाल द्वारा ले जाया गया। जहां युवको द्वारा खर्चा पानी के लिए एडवांस मांगने पर ठेकेदार द्वारा बंधक बनाकर जान से मारने की धमकी दी गई जिससे भयभीत होकर युवाओं ने अपना वीडियो बनाकर परिजनों को भेजा, तब परिजनों ने फूप थाना में आवेदन दिया है, जहां से पुलिस कार्यवाही की जा रही है। जाजे पुरा की श्रीमती सोनकली पत्नी रामफल ने बताया कि उनका बेटा भारत को अनिल जाटव निवासी कोहार एवं दलवीर निवासी रतनुपुरा अटेर के माध्यम से अन्य युवाओं के साथ बस के द्वारा महाराष्ट्र के कल्याण में मजदूरी के लिए 5 जनबरी को ले जाया गया था। जहां पर बिरला वन्या रियल स्टेट कंपनी में निर्माण कार्य के लिए लगाया गया तथा ?16000 वेतन तय हुआ था यह युवा 7 तारीख को वहां पहुंचे थे, 14 जनवरी को जब उन्होंने खर्चा पानी के लिए एडवांस मांगा तो ठेकेदार द्वारा एडवांस ना देकर धमकी देकर बंधक बना कर बन्द कर दिया गया एवं इनके आधार कार्ड और पहचान पत्र छुड़ा लिए गए। इंडिया शाम तक टीम को जाजेपुरा के प्रेम पुत्र सरनाम सिंह, भारत पुत्र रामफल तथा दतावली ग्राम के दिवाकर पुत्र उत्तम सिंह, पप्पी पुत्र उत्तम सिंह, विजय सिंह पुत्र राम चरण, राकेश पुत्र दाताराम, कप्तान पुत्र दाताराम, शिवांश पुत्र राजेश, रॉकी पुत्र राजवीर, ओमप्रकाश पुत्र जय श्री राम, धर्मेंद्र पुत्र जय श्री राम, भीमसेन पुत्र बाबूराम, जीतू पुत्र अमर सिंह, अर्जुन पुत्र राजेंद्र तथा अन्य को बंधक बना लिया है। जहां कल्याण पुलिस ने पहुंचकर युवाओं को अपने कब्जे में ले लिया है एवं वहां से उन्हें भिंड वापस भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

जनता का सेवक बनकर हमेशा सेवा करता रहूंगाः विधायक मेवाराम जाटव

विधायक मेवाराम जाटव ने अपने सरकारी आवास पर जनता दरबार लगाकर सुनीं लोगों की समस्याएं

मोहन मांझी

गोहद। जब से विधायक मेवाराम जाटव को सरकारी आवास आवंटन हुआ है तभी से वह हर मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दरबार लगाकर क्षेत्र के लोगों की जन समस्याएं सुनकर उन्हें हल करने का प्रयास करते हैं इसी कड़ी में मंगलवार के दिन विधायक मेवाराम जाटव ने अपने सरकारी बंगले पर क्षेत्र के लोगों की जन समस्याएं सुनी, जिनमें कई लोग ने नामांतरण की समस्या, अधिक व आंकलित खपत के बिजली बिलों की समस्या जिसके लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों को बिजली बिलों के निराकरण हेतु निर्देशित किया , विधवा व निराश्रित पेंशन, श्रमिक कार्ड एवं धानमंत्री आवास हेतु नगर पालिका सीएमओ एवं जनपद सीईओ गोहद को निर्देशित

किया इसी प्रकार तहसील में जमीन के नामांतरण की समस्याओं के लिए गोहद एसडीएम एवं तहसीलदार फोन लगाकर को उन्हें लोगों के जमीन के नामांतरण कार्य जल्द से जल्द निपटाने हेतु निर्देशित किया। अवसर पर विधायक मेवाराम जाटव ने क्षेत्र के लोगों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मैं जनता का सेवक बनकर क्षेत्र में रहकर ही क्षेत्र के लोगों की सेवा करता रहूंगा। इस दौरान उनके बंगले पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं की भीड़ थी जिनमें मुख्य रुप से गुड्डू भदौरिया, आशीष गुर्जर, शहर अध्यक्ष विजय उर्फ टोनी मुदगल, गोपाल पचौरी, साबू खान, रामहेत जाटव, वीरेन्द्र सिंह राणा, प्रदीप त्रिवेदिया, संग्राम सिंह तोमर, राजेंद्र परिहार, नरोत्तम चौरसिया, जावेद पठान, रणवीर सिंह गुर्जर, केदार सिंह कौशल, प्रेम सिंह नावरिया, देवेंद्र पाठक, कैलाश माहोर, बबलू बरैया, विजय निगम, इंद्रसिंह खन्ना, घनश्याम सिंह, काजी लालुद्दीन, राघवेंद्र राजोरिया आदि नेता मौके पर मौजूद रहे।

प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज का तिरूपोरूर तालुक मे सघंठन द्वारा शॉल ओढ़ाकर किया संम्मानित

ताामीलनाडु। पॉन ब्रोकेर्स ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन तिरुपोरुर तालुक अध्यक्ष गोवीन्दस्वामी चेटीयार कि एन जे ज्वेलर्स ओपनिंग कार्यक्रम मे मुख्यअति के रुप में भारतीय उधीयोग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व तामीलनाडु पावन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द सघंठन के तिरुपोरुर तालुक उपाध्यक्ष पुखराज लेरचा सीरवी समाज ट्रस्ट केल्लमबाक्म अध्यक्ष हिरालाल सीरवी धर्माराम सीरवी सामिल हुए सभी अतिथियों का सोल दुवारा सम्मानित किया गया।

संकुआ धाम पर समाज सेवा टीम की ओर से भारत के गौरव मेवाड़ की धरती के वीर सपूत परम श्रद्धेय अदम्य साहस एवं द्रडता के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धान्जलि अर्पित कर माल्यार्पण किया समाजसेवी श्यामू ठाकुर ने कहा वास्तव मे महाराणा प्रताप के जीवन का अनुसरण एक असाधारण व्यक्तित्व का उदाहरण है आप सदा हमारे जीवन मे एक ज्योतिपुन्ज की तरह प्रज्वलित रहोगे महाराणा प्रताप जी के जीवन से प्रेरणा लेकर कार्य करने का संकल्प लिया बलिदान दिवस पर उपस्थित जन रहे ओजस्वी वक्ता के रूप में सत्यानंद त्यागी जी महाराज भिंड कृष्णानंद पाठक भगवानदास कल्लू पुरोहित राहुल चौरसिया राम कुमार विश्वकर्मा गोपी माली रवि सोनी राघवेंद्र सिंह गौर किशन सिंह यादव भगवान दास बघेल हाकिम सिंह बाथम सक्सेना जी जोशी महाराज हरि शरण महाराज पहला कुशवाह राम सिंह बाथम रघुवीर प्रजापति भवानी खटीक मनोज मोदी आदि जन उपस्थित रहे

पंचायत भवन निर्माण को लेकर शिलान्यास किया गया

रानी पाली नेनाराम सीरवी। राजस्थान पंचायत राज विभाग संस्थाओं के अंतर्गत नवीन ग्राम पंचायत के स्थापना के प्रथम वर्ष के अंतिम चरण में नवीन पंचायत भवन निर्माण कार्य करने को लेकर शिलान्यास किया गया। पाली पंचायत समिति के नवीन ग्राम पंचायत।गुरडाई. सरपंच कमला देवी उपसरपंच पूनम सिंह परमार के कार्यकाल की सफलतम 1 वर्ष पूर्ण होने पर अंतिम चरण में नवीन पंचायत भवन निर्माण के कार्यों की शुरुआत करने को लेकर शिलान्यास किया गया। सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जोराराम कुमावत पाली पंचायत समिति के नवनिर्वाचित प्रधान मोहनी देवी पटेल जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति के सदस्यों की उपस्थिति में नवीन पंचायत भवन निर्माण कार्य करने को लेकर शिलान्यास किया गया। इस मौके पर ग्राम पंचायत के संपूर्ण जनप्रतिनिधि गणमान्य ग्रामीण सरपंच उपसरपंच द्वारा अतिथियों का शानदार स्वागत किया गया

वात्सल्य आश्रय की बेटियों को गौरवशाली संस्था द्वारा सम्मानित किया गया देशभक्ति गायन के लिए जोकि ज्योति भावना महिला स्वास्थ्य कल्याण समिति द्वारा संचालित किया जा रहा है संस्था द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि बच्चों के अंदर छुपी हुई प्रतिभाओं को बाहर निकाल कर सामने लाया जाए और आगे बढ़ाया जाए वात्सल्य आश्रय की संचालिका ज्योति सिंह चौहान बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए भरसक प्रयत्न कर रही हैं सारे बच्चे स्कूल जाने वाले हैं कुछ ऑनलाइन पढ़ रहे हैं कुछ स्कूल जाते हैं बच्चे ड्राइंग सीखते हैं आर्ट एंड क्राफ़्ट सीखते हैं ट्यूशन पढ़ते हैं और डांस सीखते हैं बच्चों के लिये समाजिक लोग भी आगे आकर सहयोग कर सकते हैं संपर्क सूत्र 9399996197 पता सिंहपुर रोड शारदा मैन्शन 2 मोरार।

सीरवी बनी सोजत सरपंच संघ के सचिव

रानी पाली नेनाराम सिरवी. सोजत पंचायत समिति के सभागृह में सरपंच संघ के चुनाव संपन्न हुए जिसमें अमर सिंह सरपंच संघ के अध्यक्ष बने। बिलावास सरपंच डिंपल सिरवी को सरपंच संघ के सचिव पद पर नियुक्ति की गई।सोजत पंचायत समिति के अलावा पाली जिले के कई पंचायत समितियों के सरपंच संघ के चुनाव संपन्न हुए। पाली पंचायत समिति के सरपंच संघ के अध्यक्ष दिलीप सिंह सोनीगरा उपाध्यक्ष सोडावास सरपंच राधा देवी सिरवी। उपाध्यक्ष लांबिया सरपंच मदन लाल मेघवाल। रानी पंचायत समिति के अध्यक्ष पद के लिए फतेह सिंह कुंपावत निर्वाचित हुए। सोजत पंचायत समिति के सभागृह में सरपंच संघ के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए जिसमें अमर सिंह को सरपंच संघ के अध्यक्ष बनाया गया। बिलावास सरपंच डिंपल सिरवी के अलावा सह सचिव लुंबा राम मेघवाल। कोषाध्यक्ष जगदीश सिंह राजपुरोहित उपाध्यक्ष भुंडा राम सीरवी की नियुक्ति की गई। सरपंच संघ के चुनाव संपन्न होने पर सीरवी समाज के संपूर्ण वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा डिंपल सिरवी के प्रति उज्जवल भविष्य की कामनाएं की गई।

पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा आयोजित ऑनलाइन साहित्यिक प्रतियोगिता सम्पन्न

पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा एक ऑनलाइन साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय रिश्ते रखा गया। इस प्रतियोगिता में देशभर के रचनाकारों ने भाग लिया। समूह के निर्णायकों द्वारा रचनाओं की उत्कृष्टता और रचनाकारों द्वारा रचनाओं में रिश्तों की विशेषता के संबंध में दी गई जानकारी के आधार पर विशिष्ट सहयोगी रामभरोस टोण्डे जी सहित चार सर्वश्रेष्ठ रचनाकारों राम बहादुर राय अकेला जी, माता प्रसाद दुबे जी, लीना खेरिया जी, आभा सिंह जी को ÷पुनीत साहित्य रत्न सम्मान देकर सम्मानित किया गया। नए रचनाकारों को साहित्यिक क्षेत्र में आगे बढ़ाने की विशेष पहल के तहत शिव ओम मिश्र (मधुर) जी, राखी सेमवाल जी और कुमारी अनु साह जी को पुनीत साहित्य पुष्प सम्मान देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रतियोगिता में नियमानुसार भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पुनीत सहभागिता प्रशस्ति पत्र प्रदान करके साहित्य सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष जी ने सभी प्रतिभागी रचनाकारों को बधाई तथा शुभकामनाएं दी और कहा कि पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह इसी तरह आगे भी ऑनलाइन साहित्यिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से रचनाकारों को अपनी साहित्यिक प्रतिभा परखने का अवसर प्रदान करता रहेगा तथा नए रचनाकारों को साहित्यिक मंच उपलब्ध करवा के साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा।

शारीरिक मजबूती के लिए होती रहें खेल प्रतियोगिताएंः श्यामू श्रीवास्तव

(अर्पित गुप्ता)

भितरवार। क्रिकेट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गोलेश्वर सेवा संस्था द्वारा आयोजित विधानसभा स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में बामरोल की टीम ने प्रतिद्वंदी चकमियापुर की टीम को हराकर जीत दर्ज की। नगर के पं दीनदयाल स्टेडियम में पिछले कुछ दिनों से चल क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमबार को ग्राम बामरोल ओर चकमियापुर के बीच मैच हुआ।जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव मौजूद रहे।क्रिकेट टूर्नामेंट को प्रारम्भ करने से पहले समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यातिथि तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव से खिलाड़ियों का परिचय कराया तदोपरांत मैच का शुभारंभ किया गया।तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों से परिचय कर पिच पर बल्ला भी चला डाला इस दौरान उन्होंने कहा कि शारीरिक एवं मानसिक मजबूती के लिए समय समय पर ऐसी खेल प्रतियोगिताएं होते रहना चाहिए इसके लिए सामाजिक संस्थाएं बढ़चढ़कर आगे आएं।उन्होंने कहा कि आज कल लोगो का खेल के प्रति रुझान कम होता जा रहा है जबकि शरीर के लिए बहुत आवश्यक हैं इसलिए खेल जीवन मे बहुत ही अहम भूमिका रखते हैं। वहीं इसके बाद शुरू हुए मैच में पहले वेटिंग करने उतरी चकमियापुर की टीम निर्धारित 16 ओवर में 89 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।वहीं दिए गए इस लक्ष्य को हासिल करने उतरी बामरोल की टीम ने हुए कड़े मुकाबले में 15 वें ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 90 बनाकर जीत हासिल की।मैच में सर्वाधिक 35 रन बनाने बाले बामरोल के खिलाड़ी पुष्पेंद्र रावत मेन ऑफ द मैच रहे।जिन्हें समिति की ओर से पुरुस्कृत किया गया।इस अवसर पर गोलेश्वर सेवा समिति के अध्यक्ष पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सतीश मघैया,पूर्व पार्षद गजब सिंह रावत, दिनेश भटेले, भाजपा नेता पवन सिजोरिया,समिति के सदस्य के पी पांडे,राहुल शर्मा,गुल्लन शर्मा,मनीष खटीक आदि उपस्थित रहे।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

किसान काँग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष के नेतृत्व में ग्राम दुर्गापुर में किसान पंचायत हुयी आयोजित

मऊरानीपुर (झाँसी) उत्तर प्रदेश किसान काँग्रेस के प्रदेशााध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार के नेतृत्व में तहसील मऊरानीपुर के अन्तर्गत आने वाले ग्राम दुर्गापुर में किसान पंचायत आयोजित की गयी। जिसमें गूँजी किसानों की पीडा गाँव की बुर्जुग महिला कुन्दनबाई उम्र 80 साल ने बताया कि साहब हमें न तो विधवा पेंशन मिली न ही राशन कार्ड बनाया गया। गाँव की महिला कस्तूरी पत्नी मातादीन उम्र 60 वर्ष ने बताया कि हम भिक्षावृति व मजदूरों कर अपना जीवनयापन कर रहे है। उन्हें किसी भी प्रकार की शासकीय योजनाओं का कतई लाभ अभी तक नही मिला। और हमारे पास सुविधा शुल्क न होने के कारण आवास, शौचालय, जैसी कई योजनाओं का लाभ नही मिल पाया। हरगोबिन्द उम्र 70 साल ने बताया कि साहब हमसें आवास के नाम पर सुविधा शुल्क माँगा जा रहा है। जिसके कारण हमारा आवास का निर्माण नही हो पा रहा है। अशोक जोशी उम्र 50 साल ने बताया कि उसका शौचालय स्वीकृत हुआ था। जिसमें केवल 4000 रुपये प्राप्त हुआ बाकी राशि का भुगतान नही हुआ। और वह आवास जैसी शासकीय योजनाओ से वंचित है। दुर्जन लाल अहिरवार जो सेवानिवृत्त रेलकर्मी है। उन्होनें सर्व यूपी ग्रामीण बैंक रानीपुर की कार्यप्रणाली दलालों से युक्त है यहाँ पर किसानों का कोई काम बिना 10 से 20 प्रतिशत से ज्यादा का सुविधा शुल्क दिये बिना नही होता है बताया गया। राजेन्द्र कुमार ने बताया कि दुर्गापुर में नहर के समान्तर रोड का निर्माण करवाकर उसका झाँसी खजुराहों राष्ट्रीय राजमार्ग से जोडा जाये। प्रदेशाध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार ने कहा कि धरातल पर शासकीय योजनाओं का लाभ पात्रों को न मिलने से व्यक्ति दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। और जिम्मेदारों को उनकी पीडा न ही सुनायी दे रही और न ही दिखाई दे रही। जिम्मेदार लोग अपना सुविघा शुल्क लेकर अपात्रों को शासकीय योजानाओं का लाभ दिलाने में मस्त है। किसान सेवक शेखर राज बडौनिया ने कहा कि गाँव दुर्गापुर अकेली समस्या नही है। यह समस्त प्रदेश की समस्या है। जहाँ पर अपात्र शासकीय योजनाओं के लाभ से लाभान्वित हो रहे है। और पात्र शासकीय योजनओं के लाभ पाने के लिये दर- दर की ठोकरें खा रहे है। इस मौके पर सुरेश कुमार चतुर्वेदी, किशोरी यादव, प्रकाश सिंह, जानकी प्रसाद, हरगोबिन्द, पुक्खन, हीरादेवी, नरेन्द्र सिंह, दुर्जन लाल अहिरवार, राजेन्द्र कुमार खरे, रविन्द्र कुमर चतुर्वेदी, गिरजा शंकर चतुर्वेदी, रामसेवक, उमा देवी, सुमन देवी, कस्तूरी, गोमती देवी, अयोध्या प्रसाद पाल, अवनीश खरे, मानसिंह यादव, पंचम लाल, रविन्द्र कुमार, दिनेश कुमार, राजू, उमाशंकर, रामपाल, हरिओंम, ओमप्रकाश, प्रतिपाल, उपेन्द्र सहित सैकडों किसान उपस्थित रहे।

टैक्सी पलटने से एक की मौत मामला दर्ज

मऊरानीपुर (झाँसी) बालचन्द्र कोरी पुत्र मोती लाल निवासी रतौसा, थाना उल्दन ने कोतवाली प्रभारी को दिये प्रार्थना पत्र में बताया कि टैक्सी चालक वाहिद खान निवासी रानीपुर जिसके द्वारा तेजी व लापरवाही से गाडी चलाकर पलटा दी गयी। जिससे उसका भाई दयाराम गम्भीर रुप से घायल हो गया। तथा इलाज हेतु ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गयी। प्रार्थी ने कोतवाली पुलिस से कठिन से कठिन कानूनी कार्यवाही करने की माँग की। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 279, 338, 304 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

दबंगों की दबंगई से व्यक्ति परेशान, मामला दर्ज

मऊरानीपुर (झाँसी) रामसिंह पुत्र खलबल सिंह निवासी बघौरा ने कोतवाली प्रभारी को दिये प्रार्थना पत्र में बताया कि लाल सिंह पुत्र त्रिलोक सिंह, नरेन्द्र सिंह पुत्र अज्ञात रानू सिंह पुत्र अज्ञात, प्रतिपाल सिंह पुत्र अज्ञात निवासी बघौरा के द्वारा बिना वजह गाली गलौच करते हुये मारपीट की गयी। प्रार्थी ने कोतवाली पुलिस से कठिन से कठिन कानूनी कार्यवाही करने की माँग की। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 323, 504 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

अभद्रता के साथ की मारपीट मामला दर्ज

मऊरानीपुर (झाँसी) मथुरा प्रसाद कुशवाहा पुत्र घनश्याम निवासी लाडगंज, रानीपुर ने कोतवाली प्रभारी को दिये प्रार्थना पत्र मे बताया कि हरिकिशुन पुत्र प्रेमदास निवासी मुहल्ला लाडगंज , रानीपुर के द्वारा बिना वजह गाली गलौच करते हुये मारपीट की गयी। प्रार्थी ने कोतवाली पुलिस से कठिन से कठिन कानूनी कार्यवाही करने की माँग की। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 323, 504 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

सड़क दुर्घटना में दो घायल

मऊरानीपुर (झाँसी) सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल हो गये । प्राप्त विवरण में राजा (25) पुत्र अरविन्द्र निवासी कोटरा, कशीश पटैरिया (18) पुत्र बब्लू पटैरिया निवासी वीरपुरा को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। कशीश पटैरिया की हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

फिसलने से व्यक्ति घायल

मऊरानीपुर (झाँसी) फिसलने से व्यक्ति घायल हो गया। प्राप्त विवरण में शंकर (30) पुत्र हीरा निवासी बडागाँव को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया।

दो व्यक्तियों ने किया जहर का सेवन

मऊरानीपुर (झाँसी) अज्ञात कारणों के चलते दो व्यक्तियों ने जहर का सेवन कर लिया। प्राप्त विवरण में जगत सिंह (35) पुत्र रमेश बरार निवासी इटायल, महेन्द्र (30) पुत्र किशोरी निवासी बडागाँव को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। महेन्द्र की हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

डीएम, एसएसपी ने कोतवाली अलीगंज में चैकीदारों को वितरित किए कम्बल

एसएसपी ने फीता काटकर किया उद्घाटन

एटा। मंगलवार को जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी सुखलाल भारती एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से तहसील अलीगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनता की समस्याओं को सुना।डीएम, एसएसपी के समक्ष सम्पूर्ण समाधान दिवस अलीगंज में फरियादियों द्वारा कुल 64 शिकायतें प्रस्तुत की गई, जिसमें 10 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इसी क्रम में एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव कुमार ने जलेसर तहसील में जनसमस्याओं को सुना, इस दौरान 24 में से एक शिकायत का निस्तारण किया गया, तो वहीं एटा सदर तहसील में एडीएम प्रशासन विवेक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूण समाधान दिवस के दौरान 48 में से 08 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

डीएम, एसएसपी ने कोतवाली अलीगंज में चैकीदारों को कम्बल वितरित करते हुए क्षेत्र में मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान तहसील अलीगंज क्षेत्र के आजमनगर में नवनिर्मित गौआश्रय स्थल का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देश दिए कि गौशाला में पशुओं की बेहतर ढंग से देखभाल की जाए। गौशाला में पशुओं के खानपान, स्वास्थ्य का भी ख्याल रखा जाए। इस अवसर पर सीडीओ अजय प्रकाश, एसडीएम अलीगंज राजीव पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी अजय कुमार, डीडीओ एसएन सिंह कुशवाह, सीएमओ डा0 अरविंद कुमार गर्ग, पीडीडीआरडीए निर्मल कुमार द्विवेदी, सीवीओ एसपी सिंह, तहसीलदार राजेश कुमार, अधिशासी अभियंता जल निगम एएस भाटी, बीएसए संजय सिंह, डीपीआरओ आलोक कुमार प्रियदर्शी सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण, थाना प्रभारी, कर्मचारीगण मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप सर्कल में पुण्यतिथि मनाई गई

नारायणलाल सैणचा

मैसूरू -श्री महाराणा प्रताप राजपूत मंडल द्वारा महाराणा प्रताप सर्कल में 424वी पुण्यतिथि मनाई गई । महाराणा प्रताप की तस्वीर पर फूल पुष्प अर्पण किए गए। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष पृथ्वीसिंह चांदावत, कुबेर सिंह, ईश्वर सिंह, अरुण सिंह, अनीता सिंह, सीताराम सिंह, रवि सिंह मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 84 में से 3 का हुआ निस्तारण

मऊरानीपुर (झाँसी) सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें आवास, शौचालय, जमीनी विवाद आदि को लेकर 84 प्रार्थना पत्र आये जिनमें 3 को मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार राहुल, तहसीलदार अजय कुमार मौर्य, कोतवाली प्रभारी शैलेन्द्र सिंह के साथ अनेकों विभागों के अफसर मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत पचोखरा में फर्जी शौचालय दिखाकर सरपंच और सहायक सेक्रेटरी ने निकाले लाखों रुपए

पहाड़गढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत पचोखरा के मजरा भौरू सिंह का पुरा मैं सरपंच राजकुमारी तथा सहायक सेक्रेटरी नवल किशोर शर्मा द्वारा एक शौचालय पर चार चार व्यक्तियों के पैसे निकाल लिए जिसकी शिकायत जितेंद्र परमार ने 181 पर की पर सरपंच द्वारा ब्लॉक के आला अधिकारियों को कुछ घूस देकर शिकायत को वही टालमटोल कर दिया लेकिन शिकायतकर्ता फिर भी नहीं माना और उसने एसडीएम नीरज शर्मा और तहसीलदार को आवेदन दिया और पचोखरा में जो फर्जी रूप से शौचालय दिखाकर पैसा निकाला गया उसके बारे में कहा तो एसडीएम और तहसीलदार साहब ने भी जांच के आदेश का आश्वासन देकर बात को टालमटोल कर दिया अब पता नहीं है कि इन फर्जी शौचालयों की जांच होगी भी या नहीं या फिर ऐसे ही फर्जी शौचालय दिखाकर यह लोग पैसा आहरित करते रहेंगे।

शोकसभा

मऊरानीपुर (झाँसी) पं. दीनदयाल उपाध्याय जन कल्याण समिति की एक शोकसभा समिति के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र दमेले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। जिसमें कपडा व्यवसायी , समाजसेवी अजीत जैन की पूज्यनीय माता जी एवं अभिताभ जैन (मोनू) की पूज्य दादी के आकस्मिक निधन हो जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान की गयी। इस मौके पर सैयद अकरम उर्फ गुड्डू मिस्त्री (प्रधान), सौरभ भार्गव (पत्रकार), आशीष बिलैया, संजय पहारिया, अजय सिंह परिहार, दीपक तिवारी (एड.), मु. इदरीश खान, संजू पाठक, ओमप्रकाश पोददार, रवीन्द्र जैन, हरिश्चन्द्र रखौलिया, मनीष सेठिया, रवि रिछारिया, गोपाल सर्राफ नवीन कनकने, मनीष खेवरिया, रवीन्द्र यादव (पार्षद), मनीष खरया, अनिल सोनी, मु आलत , पंकज पहारिया, पारस मोदी, अमित कटारे, सोहन श्रीवास (पार्षद), अमित नेता, अवधेश लोहिया, हितेश राजपूत (पार्षद), दीपू अग्रवाल, सोनू खरया, आकाश आर्य, अरविन्द्र खरया, रजनीश बिलैया, सर्वेश गुप्ता, रवि सोनी, सुनील डेंगरे, जितेन्द्र श्रीवास, सौरभ ताम्रकार, दौलत कुशवाहा, महेन्द्र कुशवाहा, महेन्द्र कुशवाहा, प्रताप नापित, फूल सिंह रैकवार आदि लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने कहा है कि उनका दल हिन्दुत्व की बात कहने वाला दल है यह कोई जाति विशेष का दल नहीं

ग्वालियर। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने कहा है कि वह स्वयं भी किसान हैं, वह केन्द्र द्वारा लाये गये किसान बिल का समर्थन करते हैं। उन्होंने यह भी जोडा कि दिल्ली की सीमाओं पर बैठे हुये किसान नकली किसान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि केन्द्र सरकार से मामला नहीं संम्हले तो उन्हें (करणी सेना को) केन्द्र सौंप दे वह स्वयं किसानों के मुददे को सुलझा देंगे। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल सिंह अम्मू आज यहां अपने प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र है और लोगों को भी लोकतंत्र में ही रहकर काम करना चाहिये। सीमाओं पर बैठे किसान दबंगई दिखा रहे हैं। उन्हें यदि बिल पसंद नहीं है तो लोकतंत्र के माध्यम से बात करें । उन्होंने कहा कि बाबरी का ढांचे को तोड दिया गया है अब मथुरा और काशी की गंदगी को भी साफ कर देना चाहिये। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन तलाक बिल से लेकर काशमीर में धारा 370 को समाप्त करना एक बहुत अच्छा कदम है। इसे देखकर एक उम्मीद प्रधानमंत्री मोदी से जगी है। हम दो हमारे दो का भी कानून लायें मोदी-सूरजपाल अम्मू ने कहा कि वह आर्थिक आधार पर आरक्षण के पक्षधर हैं वहीं प्रधानमंत्री मोदी से मांग करते है कि वह अब देश में समानता लाने के लिये हम दो हमारे दो बच्चों का कानून भी लायें । उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के मुखिया शिवराज सिंह चौहान मामा इन दिनों गुस्से में हैं और वह मुगलों और अंग्रेजों द्वारा रखे गये नामों को बदल कर भारत का सम्मान कर रहे है और विदेशी आक्रांताओं की निशानी को समाप्त कर हिन्दुत्व को आगे बढा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मांग की कि वह भी करणी सेना के एक फिल्म का विरोध करने पर कार्यकार्यताओं पर लादे गये मुकदमों को वापस लें। उन्होने कहा कि देश के युवाओं को जेएनयू, एएमयू, जम्मू काशमीर , ओबेसी , जैसे नेता नहीं चाहिये उन्हें सभी का सम्मान चाहिये। उन्होंने कहा कि युवा अनेक मुददों को लेकर दिशाहीन हो गया है ऐसे में करणी सेना युवाओं को एक दिशा प्रदान करने का काम कर रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने कहा है कि उनका दल हिन्दुत्व की बात कहने वाला दल है। यह कोई जाति विशेष का दल नहीं है। उन्होने बताया कि उनका दल 23 राज्यों में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका उददेश्य है कि समाज में काम कर रहे हिन्दु की गर्दन ना झुकाऐंगे ना झुकने देंगे। उन्होंने कहा कि देशभर में करणी सेना के 18 लाख सदस्य हैं। मुगलों और अंग्रेजों के नामों को बदलने पर कुछ हिन्दुओं द्वारा विरोध करने के बारे में पूछे एक प्रश्न के उत्तर में सूरजपाल अम्मू ने कहा कि वह मिलावटी हिन्दू हैं जो मुगलों और अंग्रेजों के नामों को हटाने का विरोध कर रहे हैं। इस अवसर पर करणी सेना के पदाधिकारीम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश प्रभारी मुकेश रावल राष्ट्रीय मंत्री उमेश तिवारी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बॉबी पारिक , महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष कीर्ति राठौर, उपाध्यक्ष विजेता वर्मा, अनु चौधरी , कोषाध्यक्ष दिनेश चौहान, राष्ट्रीय महामंत्री पंकज सिंह, राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी रविन्द्र सिंह पवैया मुकेश सिंह भदौरिया कार्कम संयोजक मुकेश भदौरिया प्रदेश अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह डोडिया प्रदेश संगठन मंत्री सेलेन्द्र सिंह जिला अध्यक्ष ग्वालियर शेर बहादुर सिंह चौहान ग्वालियर संभाग अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान चंबल संभाग अध्यक्ष तरुण सिंह तोमर ग्वालियर सम्भाग उपाध्यक्ष कपिल गोयल सम्भागीय सचिव दीपक कुमार एवं ग्वालियर चंबल संभाग समस्त कार्यकारिणी पहुंच गई आदि मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने एक बैठक कर करणी सेना के संगठन को मजबूत करने की बात भी कही।

नगर में धूमधाम से मनाया गया गहोई दिवस समारोह

मऊरानीपुर (झाँसी) श्री गहोई वैश्य पंचायत के तत्वाधान में मऊरानीपुर में गहोई दिवस धूमधाम से समारोह पर्व मनाया गया। जिसमें गहोई धर्मशाला मे स्थित गौरीशंकर सभागार में आयोजित किये गये गहोई दिवस में बडी संख्या में गहोई समाज के लोगों, महिलाओं व युवाओं ने शिरकत की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में गहोई समाज के चौधरी एवं नगर के गणमान्य नागरिक चौधरी लक्ष्मी नारायण खरया ने ध्वजारोहण किया। गहोई समाज के सरपंच ओमप्रकाश मोदी ने मुख्य अतिथि चौधरी लक्ष्मी नारायण खरया का माल्यार्पण व पगडी पहनाकर सम्मान किया। इसके उपरान्त गहोई समाज के सरपंच ओमप्रकाश मोदी , श्री गहोई देवस्थान प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष रवि शंकर नीखरा एड., महिला मण्डल की अध्यक्ष व श्री गहोई वैश्य नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष व समाज के गणमान्य जनों ने दीप प्रज्जवलित किया। मुख्य अतिथि , सरपंच व अन्य व्यक्तियों ने गहोई समाज के आराध्य सूर्य भगवान की पूजा अर्चना की गयी। तदोपरान्त झण्डावंदन व सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की गयी। गहोई दिवस पर गहोई समाज के मंत्री प्रमोद सेठ ने गहोई दिवस व पंचायत की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। डॉ. राम गोपाल गुप्ता गहोई दिवस पर ने स्वरचित गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय महिला महासभा की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मीरा बडौनिया, राजकुमार कठिल, ने उदगार व्यक्त किये। गहोई समाज के सरपंच ओमप्रकाश मोदी काका जी ने अपने सम्बोधन में समाज के लोगों में समाज को मजबूत बनाने हेतु एकजुट होकर काम करने का आव्हान किया। उन्होनें कहा कि समाज के कार्य लिये सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिये। उन्होनें कहा कि कोरोना आपदा के कारण सामाजिक गतिविधियों में रुकावट पैदा हुयी। गहोई समाज के सरपंच ओमप्रकाश मोदी ने श्री गहोई वैश्य पंचायत के चुनाव हेतु वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र गुप्ता को चुनाव अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की। जिसका उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। श्री मोदी ने नवनियुक्त चुनाव अधिकारी से शीघ्र ही चुनाव प्रक्रिया शुरु करने का अनुरोध किया। हरिश्चन्द्र रखौल्या के संचालन में हुये कार्यक्रम में गोपाल दास दमेले, कैलाश नौगरईया, अशोक गुप्ता, राधारमण कठिल, विजय गुप्ता, डॉ. कैलाश गुप्ता, मनीष बिलैया, संजीव कटारे, लक्ष्मीकान्त झुडेले, मुन्नी लाल बिलैया, महेश बिलैया, लक्ष्मी नारायण बिसवारी, प्रदीप नगरिया, सुरेन्द्र सरावगी, लाल जी पहारिया, अनिल पहारिया, व्यापार मण्डल के अध्यक्ष दीपू मोदी, दिलीप दमेले, अमित कटारे, लल्लू बिसवारी, हेमन्त कृष्ण कठिल, दिलीप नगरिया, हदेश रुसिया, समेत बडी संख्या में गहोई समाज के लोग ,महिला मण्डल की पदाधिकारी महिलायें उपस्थित रही।

सम्पादकीय

अभियान में सावधानी

भारत जैसे देश में टीकाकरण अभियान की सफल शुरुआत की जितनी तारीफ की जाए कम होगी। इतना विशाल देश इतने बड़े पैमाने पर कोई अभियान चला रहा है, तो उसमें कुछ शिकायतों का सामने आना लाजिमी है। और यह आम लोगों के लिए घबराहट का नहीं, बल्कि वैज्ञानिकों के लिए विचार का विषय होना चाहिए। किसी भी दवा का जब प्रयोग किया जाता है, तो उसके प्रभाव के साथ-साथ कुछ दुष्प्रभाव भी सामने आते हैं। चूंकि रिकॉर्ड समय में कोरोना वैक्सीन तैयार हुई हैं, इसलिए किसी-किसी पर उनके दुष्प्रभाव दिखाई पड़ सकते हैं। इतिहास गवाह है, ज्यादातर टीकों के निर्माण में दशकों लगे हैं, लेकिन कोरोना ने हमें उतना समय नहीं दिया। कोरोना टीके के चंद दुष्प्रभाव को ध्यान में रखते हुए इस पृष्ठभूमि को भी ध्यान में लाना चाहिए कि कोरोना वायरस हर किसी पर समान रूप से प्रभाव नहीं छोड़ता है। किसी पर कोरोना का बहुत घातक असर होता है और किसी पर बहुत मामूली। इसका अर्थ यह हुआ कि शरीर-दर-शरीर कोरोना वायरस के प्रभाव में भी अंतर आ जाता है। कुछ लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता तुलनात्मक रूप से बहुत अच्छी होती है। आंकड़ों को अगर देखें, तो अच्छी रोग प्रतिरोधक क्षमता वालों को कोरोना ने न्यूनतम परेशान किया है। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि जब वायरस का दुष्प्रभाव समान नहीं है, तब वायरस के लिए बनी दवा का प्रभाव समान कैसे हो सकता है? दवा की दुनिया के जानकार यह बात अच्छी तरह जानते हैं कि शायद ही कोई ऐसी दवा है, जिसका कोई दुष्प्रभाव न हो। एलोपैथी में ऐसी दवाओं की भरमार है, जो नाना प्रकार के रसायनों या रासायनिक समीकरणों से तैयार होती हैं और बहुत स्थापित दवाओं के भी दुष्प्रभाव चिकित्सा विज्ञान के लिए नए नहीं हैं। अतः कोरोना टीके पर भी हमें पूरे विश्वास के साथ चलना चाहिए। विशेष रूप से चिकित्सा समुदाय को टीके का स्वागत करना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि इस टीकाकरण अभियान में दुष्प्रभावों के प्रति पहले से ही सचेत रहते हुए तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। जो लोग टीकाकरण के लिए सामने आ रहे हैं, उनके स्वास्थ्य की रक्षा सरकार के लिए प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। टीका लेने के तत्काल बाद ही नहीं, बल्कि उसके प्रभाव के पुष्ट होने तक हर एक टीका प्राप्त व्यक्ति की खबर या निगरानी जरूरी है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि टीके के जो भी प्रभाव या दुष्प्रभाव सामने आएं, उन्हें सही रूप में दर्ज किया जाए और उसकी जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाए। टीकाकरण अभियान की बुनियाद ईमानदारी और पारदर्शिता पर टिकी होनी चाहिए, ताकि लोगों का विश्वास कायम रहे और टीकाकरण को आगे बढ़ाने में हमें सहूलियत हो। वैसे दो दिन के टीकाकरण अभियान के दौरान बहुत कम शिकायतें सामने आई हैं और केवल एक व्यक्ति के मरने की आशंका व्यक्त की जा रही है। इस एक मौत की भी गहराई से पड़ताल होनी चाहिए। यदि एक व्यक्ति की भी टीके की वजह से जान गई है, तो उसके तमाम चिकित्सकीय व वैज्ञानिक पहलुओं की पड़ताल सबके सामने रखने की जरूरत है। किसी भी तरह की सनसनी या अफवाहों से सावधान रहने की जरूरत है। आज हम सूचनाओं के दौर में जी रहे हैं। जितनी ज्यादा सूचना लोगों तक पहुंचेगी, उनका विश्वास टीकाकरण अभियान पर उतना ही बढ़ेगा।

विकलांग सिस्टम की भेंट चढ़ते निर्दोष मासूम ?

पिछले दिनों महाराष्ट्र के भंडारा जिला अस्पताल में 10 मासूम नवजात बच्चों की मौत एक इत्तेफ़ाक नहीं है, यह हमारे नाकामयाबिल व्यवस्था का सबसे नक्कारा उदारहण है। राज्य की उद्धव ठाकरे सरकार ने घटना की निष्पक्ष जाँच का आदेश दिया है। पीड़ित परिवारों को पाँच- पाँच लाख रुपए का मुआवज़ा भी मिलेगा। हम कह भी सकते हैं कि एक चुनी हुई सरकार इससे अधिक और कर भी क्या सकती है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। यह वक्त राजनीति का नहीं। सत्ता और विपक्ष का नहीं, देश का है। मरने वाले नवजात सरकार और सत्ता के नहीं देश की निधि थे जिन्हें हमने खोया है। लेकिन अब इस घटना को हम भूल जाएगें फिर किसी नई का इंतजार करेंगे। क्योंकि हम सिस्टम को सुधारना नहीं चाहते हैं। हादसे पूर्व नियोजित नहीं होते, क्योंकि मौत एक प्राकृतिक सत्य है। शायद एक सरकार का दायित्व यहीं तक ख़त्म हो जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है जैसा हम सोचते हैं। हादसों को हम रोक नहीं सकते हैं, लेकिन नियंत्रित कर सकते हैं। कोरोना के संकट और संक्रमण कालीन दौर में इस प्रतिबद्धता को दुनिया ने देखा है। भारत विषम परिस्थियों से लड़कर बाहर निकला है। कई महीनों तक हमने लॉकडाउन में गुजारे हैं। सरकारों ने अपने दायित्व को बखूबी निभाया है। आज पूरी दुनिया भारत कि तारीफ कर रही है। अमेरिका, ब्रिटेन और अनगिनत यूरोपीय देश अभी तक उस संकट से नहीं निकल पाएं हैं। हमने दृढ़ संकल्प से यह लड़ाई जीती है। फ़िर क्या हम विकलांग सिस्टम को नहीं सुधार सकते हैं। सत्ता बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती है यह एक जिंदा सच है। अगर ऐसा होता तो शायद सिस्टम की लापरवाही से मासूम बच्चों की निरीह मौतें न होतीं। इस तरह की घटनाएँ सिर्फ महाराष्ट्र में नहीं पूरे देश में घटती हैं। लेकिन उसके बाद भी केंद्र या राज्य सरकारें सिर्फ ट्विटर पर संवेदनाएँ और मुआवजे की घोषणा कर अपने लोकतंत्रीय दायित्व की इतिश्री कर लेती हैं। फ़िर एक दूसरे हादसे का इंतजार करती हैं। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेताओं ने हादसे पर दुःख जताया है। निश्चित रुप से यह बड़ा हादसा है संवेदनाएँ व्यक्त करना हमारा राजधर्म है। लेकिन क्या इतने भर से हमारी जिम्मेदारी ख़त्म हो जाती है। सवाल उठता है कि क्या इस तरह के हादसे नहीं होंगे या नहीं हुए हैं। अगर हुए हैं तो सरकारें और सिस्टम ने संज्ञान क्यों नहीं लिया। निश्चित रुप से हादसों को हमने चुनौतियों के रुप में कभी नहीं लिया। महाराष्ट्र या दूसरे राज्यों में इस तरह की घटनाएँ होने के बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं देखा गया है। सिर्फ स्वास्थ्य क्षेत्र के बजाय अन्य हादसों ने भी हमारी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा किया है। गुजरात के सूरत में मई 2019 में एक कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग से 19 बच्चों की मौत हो गई थी। स्कूल बसों के रेल से टकराने और स्कूल वाहनों के गैस किट लीक होने या फटने से देश में अनगिनत मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ साल पूर्व एक स्कूली वैन के ट्रेन से टकराने से दो दर्जन से अधिक स्कूली बच्चों की मौत हुई थी। तमिलनाडू में कुंभकोणम में हादसा 2014 में मध्याह्न भोजन बनाने के दौरान स्कूल में लगी आग से 94 बच्चों की मौत मौत हो गई थी। हमारा मकसद किसी सरकार को बदनाम करने का नहीं सिर्फ आइना दिखना है। अस्पताल के न्यूबॉर्न केयर यूनिट में बताया गया है कि 17 बच्चे रखे गए थे जिसमें 10 की मौत हुई है। आग लगने के बाद पूरी केयर यूनिट धुएँ के गुब्बार से भर गई जिसकी वजह से नवजात शिशुओं की मौत हुई होगी। माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण हादसा हुआ है। जबकि परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर घटना की जाँच शुरू कर दिया है। आग कैसे लगी यह जांच का विषय है। अस्पताल के जिस यूनिट में आग लगी वह बेहद संवेदशील क्षेत्र होता है। वहां नवजात शिशुओं के परिजनों को भी विषम स्थिति में जाने की अनुमति होती है। क्योंकि नवजातों में संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। घटना रात की बताई गई है। सवाल उठता है कि उस दौरान न्यूबॉर्न केयर यूनिट में कितने स्टॉप की ड्यूटी थी। घटना के वक्त कौन ड्यूटी कर रहा था। ड्यूटी पर तैनात स्टॉप न्यूबॉर्न केयर यूनिट में मौजूद था कि नहीं। अगर मेडिकल स्टॉप वहां मौजूद था तो किसी न किसी को घटना के कारण का पता होना चाहिए। केयर यूनिट में 10 नवजात शिशुओं की मौत हो जाती है जबकि मेडिकल स्टॉप पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह भी अपने आप में सवाल है। अग्निशमन यंत्र वहां उपलब्ध थे कि नहीं। उसका उपयोग हुआ कि नहीं यह सब जांच के दायरे में आते हैं। हालाँकि मेडिकल स्टॉप ने सात बच्चों को बचा लिया है। फिलहाल यह जांच विषय है हम इसके पूर्व किसी नतीजे पर नहीं पहुँच सकते हैं, लेकिन सवाल तो उठा सकते हैं। उद्धव सरकार ने भी दुध से जलने के बाद छाछ भी फूँक कर पीना चाहती है। राज्य सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों के जाँच का आदेश दिया है। यह अच्छी बात है जाँच होनी भी चाहिए और घटना के दोषियों को सख्त सजा भी मिलनी चाहिए। क्योंकि यह विकलांग और लापरवाह सिस्टम को शर्मशार करने वाली घटना है। हम मानते हैं कि इसमें सरकार का कोई गुनाह नहीं है, लेकिन जिम्मेदारी तो बनती है। स्वास्थ्य सुविधाओं पर केन्द्र और राज्य सरकारों का भारी भरकम बजट होता है, लेकिन सरकारी अस्पतालों की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। महाराष्ट्र में लापरवाही की लपटों में मासूम बच्चों की मौत होती है तो उत्तर प्रदेश में आक्सीजन के अभाव और दिमागी बुखार से हर साल दर्जनों बच्चों की सांसे थमती हैं। हालाँकि योगी सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया है। बिहार में चमकी भी बच्चों की मौतें सुर्ख़ियां बनी हैं। हमने सिस्टम को अभी तक जवाबदेह नहीं बनाया या वह जवाबदेह बनना नहीं चाहता है।देश में सरकारी स्वास्थ सुविधाओं का हाल कैसा है यह आम आदमी से छुपा नहीं है। यहीं वजह है कि लोग निजी अस्पतालों की तरह रुख करते हैं। यह नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में अच्छे डाक्टर नहीं हैं या सुविधाएँ नहीं हैं। सब कुछ है भी तो सिस्टम नहीं है। भंडारा के जिला अस्पताल में जिन 10 नवजातों की मौत हुई है उसका अनुभव वह माताएं ही बता सकती हैं। सोशलमीडिया के वाल पर चस्पा संवेदनाएँ उन जख्मों को नहीं भर सकती हैं । जो माँ अपने नवजात को स्तनपान करा मातृत्व का अनुभव भी न कर सकी और क्रूर हादसे ने निर्दोष उसके मासूम को निगल डाला। यह पीड़ा तो वहीं बता सकती है। केंद्रीय या राज्य सरकार के मंत्रालयों की तरफ़ से स्वास्थ सुविधाओं को लेकर समय- समय पर एडवाइजरी भी जारी जारी की जाती है। अस्पतालों की केयर यूनिट, आक्सीजन, बिजली की गड़बड़ी, दवाओं की उपलब्धता, मेडिकल स्टॉप की कार्यशैली और सरकारी अस्पतालों में मरीजों के साथ उनके व्यवहार की शायद कभी निगरानी की जाती तो इस तरह के हालात न बनते। जब कभी मुख्यमंत्री या स्वास्थ्य मंत्री के इतर सचिवों का दौरा अस्पताल विशेष तक ही होता है। जहाँ निरीक्षण के दिन सारे मानक पूरे किए जाते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री और मिनिस्टर के जाते ही सब कुछ पूर्ववत हो जाता है। फ़िर सरकारी अस्पताल की दवाओं की पर्चियां तीमारदार अस्पताल के बाहर निजी दवा की दुकानों पर लेकर दौड़ने लगता है। महाराष्ट्र की घटना निश्चित रुप से हमारे लिए दुःखद है। यह राजनीति का नहीं चिंतन का विषय है। राष्ट्रीय बाल आयोग को इस तरह के हादसों का संज्ञान खुद लेना चाहिए। भविष्य में हम पुनः इस पीड़ा का अनुभव न करें, इसके लिए केन्द्र, राज्य और जिम्मेदार संविधानिक संस्थाओं को अपनी नैतिक जवाबदेही तय करनी चाहिए।

प्रभुनाथ शुक्ला
(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पुराने समीकरण में नया गठजोड़

तमिलनाडु की राजनीति में ऐसा लगता है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी योजना भविष्य के लिए टाल दी है। काफी ऊहापोह के बाद अब वह फिर से सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक के नेतृत्व को स्वीकारती हुई दिख रही है और मिलकर ही आगामी राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। इस समय भाजपा की सोच यही लग रही है कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के तमाम सहयोगी दलों को साथ लाकर अन्नाद्रमुक के हाथों को मजबूत करना चाहती है, ताकि सभी मिलकर द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को हरा सकें। साल 2016 के विधानसभा चुनाव में जयललिता के नेतृत्व के बावजूद अन्नाद्रमुक गठबंधन अपने प्रतिद्वंद्वी द्रमुक गठजोड़ से बमुश्किल एक फीसदी वोट अधिक पा सका था। इसलिए कोई भी आंतरिक कलह और वोट प्रतिशत में गिरावट गठबंधन को प्रभावित कर सकता है। भाजपा राज्य में अपना शासन चाहती है, ताकि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के बेहतर प्रबंधन में मदद मिल सके। इसके अलावा, अन्नाद्रमुक की हमराह बनकर यदि इसने कुछ विधानसभा सीटें जीत लीं, तो बिहार मॉडल की तरह यहां भी वह मंत्रिमंडल साझा कर सकती है। यह रणनीति मुख्यमंत्री ई पलानीसामी के भी अनुकूल है, जो तमाम उठापटक के बावजूद पिछले चार वर्षों से अपनी पार्टी अन्नाद्रमुक को एक रखने में सफल रहे हैं। राज्य में भाजपा बेशक कमजोर है और वह अन्नाद्रमुक की ताकत में बहुत ज्यादा इजाफा नहीं कर सकेगी, पर करीबी मुकाबले में हरेक वोट ही कीमती होता है। भाजपा को गठबंधन से बाहर रखना समझदारी भरा कदम नहीं होगा, क्योंकि केंद्र में वह सत्ता में है, जिसका नुकसान मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी को हो सकता है। मुख्यमंत्री पलानीसामी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। संभावना है कि दोनों नेता गठबंधन पर अंतिम मुहर लगा सकते हैं।

डाटा महाठगिनी हम जानी

वाट्सएप, फेसबुक, यू-ट्यूब, जी-मेल वगैरह हमें मुफ्त में मिलते हैं और प्ले स्टोर या एप स्टोर के जरिए हमारे मोबाइल फोन में आ विराजते हैं। हमारे यहां दान की बछिया के दांत न गिनने की परंपरा है, इसलिए इनकी खामियों या हमारे जीवन पर इनके अन्यथा असर को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। अगर ये सब आपको मुफ्त नहीं मिलते तो? तब आपको उसकी पूरी कीमत चुकानी पड़ती। यानी इनोवेशन, डेवलपमेंट और लगातार अपग्रेड की लागत, दुनिया के सबसे महंगे प्रबंधकों और कर्मचारियों की तनख्वाहें, आलीशान दफ्तरों और परिसरों के रखरखाव पर होने वाले खर्च, कंपनी के हरदम चलते रहने वाले सर्वरों पर व्यय होने वाली रकम, इसके अलावा अलाने-फलाने मदों में लगे ढेर सारे पैसे भी तब हमसे वसूले जाते। हमारी सरकारें भी इन पर जीएसटी वगैरह लगातीं। तब हो सकता है कि हमारे सारे एप की कुलजमा कीमत हमारे मोबाइल फोन से भी ज्यादा हो जाती।

जाहिर है, हम आज सुबह-शाम जिन एप का इस्तेमाल करते हैं, उनमें से बहुत सारे एप तब हमारे मोबाइल में नहीं होते। काफी सारे लोग या तो इतना खर्च वहन करने की स्थिति में नहीं होते, या उन्हें यह पैसे की बर्बादी लगता। किसी भी स्थिति में वे एप की कीमत को उससे मिलने वाली सुविधाओं से तौलते तो जरूर ही। मोबाइल सॉफ्टवेयर कंपनियां ये सब जानती हैं, इसलिए उन्होंने इसका दूसरा तरीका अपनाया है- तुम हमें अपनी जानकारियां दो, हम तुम्हें मुफ्त एप और उसकी सेवाएं देंगे। संचार की इस नई दुनिया का सारा अर्थशास्त्र हमारी इन जानकारियों, यानी डाटा के कारोबार पर टिका है, जैसे अखबार और टेलीविजन जैसे परंपरागत मीडिया का व्यवसाय विज्ञापनों पर। हम इसे सहर्ष स्वीकार करते हैं और बीच-बीच में ऋतु परिवर्तन की तरह निजता जैसे नैतिक मुद्दे भी उठते रहते हैं। नए साल की इन सर्दियों में वाट्सएप की निजता नीति में बदलाव हमारे 4-जी विमर्श को नई गरमी दे गया। वाट्सएप ने अगले महीने के दूसरे सप्ताह से लागू होने वाली जो नई निजता नीति की घोषणा की थी, उसमें आपकी बहुत सारी जानकारियां अपनी पैरेंट कंपनी फेसबुक के हवाले करने की बात थी। हालांकि, इसमें भी कुछ नया नहीं था। साल 2014 में जब फेसबुक ने वाट्सएप को खरीदा था, तब उसने यह कहा था कि दोनों कंपनियां डाटा शेयर नहीं करेंगी। लेकिन दो साल बाद ही यह वचन तोड़ दिया गया और पिछले चार साल से यह सब आराम से चल रहा है। इसमें नई चीज यह है कि अब इसका दायरा बढ़ाया जा रहा है। अभी तक वाट्सएप आपसे बहुत सी जानकारियां नहीं लेता था, अब वह भी आपसे ले लेना चाहता है। बहुत से लोगों की चिंता इसलिए भी है कि वाट्सएप के जरिए बहुत से लोग पेमेंट भी करने लगे हैं। इसके अलावा, ऐसी व्यवस्था भी की जा रही है कि लोग वाट्सएप के जरिए खरीदारी भी कर सकें। लोगों को डर है कि अब उनके सारे लेन-देन और खरीद-फरोख्त की जानकारियां भी वाट्सएप से होती हुई फेसबुक के हवाले हो जाएंगी। यह पहली बार होगा, ऐसा भी नहीं है। गूगल पहले से यह कर रहा है, लेकिन उसकी बात हम बाद में करेंगे, फिलहाल एक और एप की बात। अमेजन के एप से आप ऑनलाइन खरीदारी भी कर सकते हैं, भुगतान भी कर सकते हैं और वह इस पर भी नजर रखता है कि आप इस समय हैं कहां? यानी वाट्सएप जो नया कर रहा है, वह तो पहले से ही हो रहा है।

फिर ऐसी कोई जानकारी नहीं है, जो गूगल आपसे इस या उस तरीके से न लेता हो। उसे पता होता है कि आप इस समय कहां हैं? उसे मालूम होता है कि आप कब कहां गए थे? उसे पता होता है कि आपने किन बिलों का भुगतान कर दिया, किनका अभी बाकी है और किस बैंक की किस्त इस बार आप नहीं चुका पाए? वह जानता है कि किसने आपको मेल भेजा, आपने किसको जवाब दिया और किसको नहीं? कई बार वह यह भी बता देता है कि आपको जवाब क्या देना है? आपकी ही नहीं, आपके पूरे परिवार की जन्मतिथि भी उसे पता है, उनके फोन नंबर और बैंक अकाउंट नंबर भी। आपके मर्ज और डॉक्टर की जानकारी भी उससे नहीं छिपी है। लोगों की जानकारियों के बदले उन्हें सेवा देने के कारोबार की बड़े पैमाने पर शुरुआत गूगल ने ही की थी और वही इस बाजार का अगुवा भी है। साल 2019 में उसने 161 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया था, जबकि फेसबुक का मुनाफा इसके आधे से भी कम, यानी 71 अरब डॉलर के करीब था। फेसबुक भी अब गूगल के रास्ते पर चलकर अपना मुनाफा बढ़ाना चाहता है, और इसके लिए आपसे वही सब जानकारियां मांग रहा है, जो आप खुशी-खुशी गूगल को देते रहे हैं। लेकिन ऐसा क्या हो गया कि गूगल का गुड़ खाने वाले अचानक ही फेसबुक और वाट्सएप के गुलगुलों से परहेज करने लग गए? इसका जवाब फेसबुक कंपनी के चरित्र में है। फेसबुक एक ऐसी कंपनी है, जो अक्सर गलत कारणों से खबरों में रहती है। चाहे डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव से जुड़े विवाद हों या भारत में उसकी प्रतिनिधि आंखी दास से जुड़े विवाद। हर बार फेसबुक एक ऐसी कंपनी के रूप में सामने आती है, जिसे प्रबंधन की भाषा में 'बैडली मैनेज्ड' कंपनी कहा जाता है। निजता नीति के ताजा विवाद में भी यही दिखाई देता है। यह नीति तकरीबन सभी कंपनियां समय-समय पर बदलती रही हैं, लेकिन वाट्सएप ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, उसमें एक तरह की धमकी निहित थी- आप सहमत नहीं हैं, तो आपका अकाउंट बंद! धमकी ने संदेह भी पैदा किए और उपयोगकर्ताओं को सिग्नल व टेलीग्राम जैसे प्रतिद्वंद्वियों की ओर धकेल दिया, यानी शब्दों ने खता की, साख ने सजा पाई। फिलहाल इसे टाल दिया गया है।

झूठ सजाए जाल

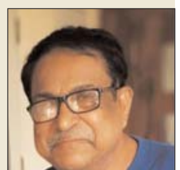

साँप नेवले में जगा ,अपनेपन का भाव,
यारों देखो आ गया ,फिर से आम चुनाव।
सच्चाई की जीत से ,मिलती उनको मात ,
इसीलिए नेता करें ,तीन पांच का सात।
नफ़रत बोकर देखिये ,पाएंगे दुख क्लेश ,
देगी तुझको जिंदगी ,अनचाहे उपदेश।
अज्ञानी को ज्ञान का ,मत देना उपदेश ,
वो चाहे तारीफियाँ ,बिना उठाए क्लेश।
न्याय बिक रहा रोज ही ,झूठ सजाए जाल,
सच्चाई की जीत के ,पिटते सभी सवाल।

महेंद्र कुमार वर्मा
पुणे महाराष्ट्र

अपराध मुक्त भारत बने

अपराध मुक्त भारत बने,ऐसी चाहना है
भारत फिर सोने की चिड़िया हो, ऐसी भावना है
कलयुग से अब सतयुग हो, ऐसी चाहना है
हम सब एक हो ऐसा ठाने तो, ऐसा युग जरूर आना है
सबसे पहले खुद को,इस सोच में ढलाना हैं
फिर दूसरों को प्रेरित कर, जिम्मेदारी उठाना है
ठान ले अगर मन में, फिर सब कुछ वैसा ही होना है
हर नागरिक को परिवार समझ,दुख दर्द में हाथ बटाना है
इस सोच में सफल हों,यह जवाबदारी उठाना है
मन में संकल्प कर,इस दिशा में कदम बढ़ाना है
सरकार कानून सब साथ देंगे, बस हमें कदम बढ़ाना है
हम जनता सब के मालिक हैं, यह करके दिखाना है
यह जरूर होगा पर, एकता अखंडता भाईचारा दिखाना है
इसकी पहली सीढ़ी, अपराधी को ह्रदय से निकालना है
इंसानियत को जाहिर, कर स्वार्थ को मिटाना है
बस यह बातें दिल में धर, एक नया भारत बनाना है
अपराध मुक्त भारत बने, ऐसी चाहना है
भारत फिर सोने की चिड़िया हो, ऐसी भावना है
कलयुग से अब सतयुग हो, ऐसी चाहना है
हम सब एक हो ऐसा ठाने,तो ऐसा युग जरूर आना है-3

कर विषेशज्ञ साहित्यकार पत्रकार कानूनी लेखक चिंतक कवि एड किशन भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

जब दो दो कौड़ी के आदमी देश के प्रधानमंत्री को गालियां दे सकते हैं

उनकी कब्र खोदने के नारे लगा सकते हैं , जलेबी खिलाने का लालच देकर गांव से महिलाओं को ट्रैक्टर में बिठाकर दिल्ली बार्डर पर मोदी को गालियां दिलवा सकते हैं, तो हम अपने विचार रखने में क्यों हिचकें।देश मेरा भी है। जिन के कारण और जिनको घोर कष्ट हो रहा है वो सब भी हमारे आत्मीयजन हैं। मेरा किसी राजनैतिक पार्टी से कोई लेना देना नहीं। सरकारें तो आती जाती रहती हैं । लेकिन एक महिने से सुन सुन कर कान पक गए, किसान, किसान, किसान, देश का अन्नदाता है, पालनहार है। किसान खेती नहीं करेगा तो देश भूखा मर जायेगा। अरे ऐसे तो जो भी जो व्यक्ति कार्य करता है उसकी अबश्यकता होती ही है, डॉक्टर डाक्टरी ना करे, मास्टर मास्टरी ना करे, टेलर कपड़े ना सिले, सिपाही रक्षा ना करे......... अनगिनत कार्य है । कोई मुझे ईमानदारी से बतायेगा कि यदि किसान खेती नहीं करेगा तो क्या किसान का परिवार बचेगा? उसके परिवार का लालन पालन हो जायेगा?उसके बच्चों की फीस कपड़े दवाई सब कहां से आयेगा ? कपड़े कहाँ से लाएगा, अन्य आवश्यकता की वस्तुएँ कहाँ से लाएगा, मानते हैं वो कड़ी मेहनत करके अन्न उगाता है तो क्या मुफ्त में बांटता है? बदले में उसका मूल्य नहीं लेता क्या? फिर वह दुनिया का पालनहार कैसे माना जाये? दुनिया का हर व्यक्ति रोजगार करके चार पैसे कमा कर अपना परिवार पालता है।और प्रत्येक कार्य का अपनी जगह अपना महत्व है ..। तो किसान का रोजगार है खेती करना। सच्चाई तो ये है उन्हे खेती के अलावा और कुछ आता ही नहीं, और जिन्होंने इसके अलावा कुछ सीख लिया कुछ अच्छा कमा लिया उन्होंने खेती करनी ही छोड़ दी।कोई आढत की दुकानदारी करता है, तो कोई प्रोपर्टी का धन्धा करता है, तो कोई हीरो होन्डा आदि की ऐजेन्सी लिये बैठा है, तो कोई रोड़ी बदरपुर सीमेंट ही बेच रहा है। और नहीं तो मुर्गा फार्म खोले बैठा है यानि सबसीडी के चक्कर में जोहड़ में मछली ही पाल रहा है। उन्हें क्या किसान कहेंगे 36 प्रकार की सबसिडी किसानों को मिल रही है, 6000 वार्षिक खाते में में आ रहे हैं, माता पिता पैन्शन ले रहे हैं, आये गये साल कर्जे माफ करा लेते हैं, फिर कहते हैं मोदी तेरी कब्र खुदेगी। किसी रिक्शा वाले की, किसी ऑटो वाले की, किसी नाई की, किसी दर्जी की, किसी लुहार की, किसी साइकिल पेन्चर लगाने वाले की, किसी रेहड़ी वाले की, ऐसे न जाने कितने छोटे रोजगारों की कोई सबसिडी आई है आज तक? किसी का कर्जा माफ हुआ है आज तक क्या ये लोग इस देश के वासी नही हैं? कल को ये भी आन्दोलन करके कहेंगे देश के पालनहार हम ही हैं। रही बात की कल हलवाई कहेंगे सरकार हमारे समोसे की एम एस पी 50 रुपये निश्चित करो। चाहे उसमें सड़े हुए आलु भरें। हमारे सब बिकने चाहियें। नहीं बिके तो सरकार खरीदे, चाहे सूअरों को खिलाये। हमें समोसे की कीमत मिलनी चाहिए ।परसों बिरयानी वाले कहेंगे एक प्लेट बिरयानी 90 रुपये एम एस पी रखो चाहे उसमें कुत्ते का मांस डालें या चूहों का सब बिकनी चाहिये। जो नहीं बिके उसे खट्टर और दुष्यंत खरीदें और पैसे सीधे हमारे खाते में जमा हों। ये सब तमाशा नहीं तो क्या हो रहा है। दिल्ली में जो त्राहि त्राहि हो रही है, ना दूध पहुंच रहा है, ना सब्जी पहुंच रही है, ना कर्मचारी समय पर पहुंच पा रहे हैं उनकी ये दशा बनाने का क्या अधिकार है इन तथाकथित किसानों का सत्य कडुवा होता है पंजाब वाले घेराव करते अपने मन्त्रियों का और हरियाणा वाले अपने मन्त्रियों का। दिल्ली को घेर कर आम आदमी को क्यों परेशान किया जा रहा है ?

नरेंद्र शर्मा
कैथल,हरियाणा

गरीबी और मजदूरी

रोज दिख जाता है मुझे वो
रास्तों में अपने जर्जर ठेला गाड़ी
के साथ

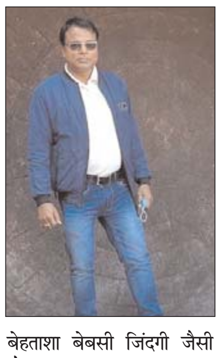

बेहताशा बेबसी जिंदगी जैसी
दौड़ता हुआ
पसीना से लथपथ भागता हुआ
कहीं छूट न जाए मंजिल ।
सचमुच यह जिंदगी की तस्वीर
है
गरीबी और मजदूरी की तस्वीर है
शायद इसे भूख कहते हैं
या फिर भूख की साजिशें हैं ।
जिंदगी की तरह जर्जर
हो चुका है ये शरीर
जिम्मेदारियों ने जैसे
शरीर को जर्जर कर चुका है
दोनों हाथों से हत्था दबाए हुए
मजबूत से पकड़े हुए
बेहताशा चले जा रहा है ।
जैसे आसमां उसके मुट्ठी में कैद
हो
जैसे इन्हीं मुट्ठी में घर के लिए
परिवार के लिए बच्चों के लिए
दो जून की रोटी कैद हो ।
जब तक इनके हड्डियों में जान
रहेगा
सांसो में सांस रहेगा
ऐसे ही बोझ लिए दौड़ता रहेगा
कई बोझ है इनके ऊपर ।
घर परिवार का बोझ
ममता प्यार का बोझ
झूठे संसार का बोझ
आश्वासन से भरा सरकार का
बोझ
जिंदगी से तिरस्कार का बोझ
न जाने कब वो इन बोझ से मुक्त
होगा...?

स्वरचित एवं मौलिक
मनोज शाह मानस
नई दिल्ली

तेईस जनवरी देशप्रेम दिवस

दिल्ली चलो, के नारे से भारत मे अलख जगाई थी।
तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा महिमा गाई थी।।
पूर्ण स्वराज्य के लक्ष्य को जिसने आगे रखा था।
ओजस्वी भाषण से अपने भारत को जोड़े रखा था।।
राष्ट्र भक्ति का भाव जिसने जन जन में जगाया था।
सुभाष के कथनों से अखिल विश्व घबराया था।।
झुकना नहीं शेर की तरह दहाड़ना चाहिए।
सिर आगे किसी के भी न झुकाना चाहिए।।
विश्वशक्ति बने भारत इसके लिए गम्भीर था।
नेताजी सुभाष चंद्र बोस सचमुच महावीर था।।
तेईस जनवरी देशप्रेम दिवस फिर आया है।
नेताजी सुभाषचंद्र बोस के विचारों ने जगाया है।।

-राजेश पुरोहित

तब्बू का इंस्टाग्राम अकाउंट हुआ हैक

बोलीं-प्लीज मेरे अकाउंट से शेयर की गई किसी भी लिंक पर क्लिक न करें

बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक हो गया है। इस बात की जानकारी तब्बू ने खुद रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी शेयर कर अपने फैंस को दी। तब्बू ने बताया कि उनके अकाउंट से उनकी जानकारी के बिना प्रमोशनल पोस्ट शेयर किए गए हैं। उन्होंने अपने फैंस को अलर्ट किया की उनके अकाउंट से शेयर की गई किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। तब्बू ने फेक पोस्ट को डिलीट भी कर दिया है। इस फेक पोस्ट में एक घंटे में 2 से 5 हजार रुपए हर दिन कमाने की जानकारी दी गई थी।

तब्बू ने स्टोरी शेयर कर लिखा, रहैक अलर्ट। मेरा अकाउंट हैक हो गया है। प्लीज मेरे अकाउंट से शेयर की गई किसी भी लिंक पर क्लिक न करें।र तब्बू से पहले भी बॉलिवुड में कई सिलेब्स हैकिंग का शिकार हो चुके हैं। हाल ही में शरद केलकर, अमीषा पटेल, ईशा देओल, फराह खान, विक्रांत मैसी, सुष्मिता सेन की बेटे रेने, उर्मिला मातोंडकर और सुजैन खान सायबर अटैक का शिकार हो चुके हैं।

तब्बू 'भूल भुलैया 2' में आएंगी नजर

वर्क फ्रंट की बात करें तो तब्बू जल्द ही हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 2' में नजर आएंगी। फिल्म में तब्बू के अलावा कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी भी लीड रोल प्ले करेंगे। यह फिल्म अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही है। तब्बू आखिरी बार 'जवानी जानेमन' में दिखाई दी थी। इस फिल्म में सैफ अली खान और अलाया फर्नीचरवाला ने भी अहम किरदार निभाया था। तब्बू ने अपने करियर की शुरूआत साल 1985 में आई फिल्म 'हम नौजवान' से की थी। इस फिल्म में उन्होंने बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस काम किया था।

ऋचा को मिल रही जान से मारने की धमकी, जीभ काटने पर रखा ईनाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मैडम चीफ मिनिस्टरको लेकर विवादों में घिर गई हैं। हाल ही में फिल्म के कुछ पोस्टर्स और ट्रेलर रिलीज किया गया है जिसके बाद से लगातार ऋचा का विरोध हो रहा है। हालाकि विवाद बढ़ता देख एक्ट्रेस माफी मांग चुकी हैं, लेकिन बात अब भी यहीं खत्म होती नजर नहीं आ रही है। ऋचा को जान से मारने की धमकी दी जा रही हैं, इतना ही नहीं भीम सेना के प्रमुख नवाब सतपाल तवंर ने एक्ट्रेस की जुबान काटकर लाने वाले को ईनाम देने तक का एलान कर दिया है। । हालांकि मैडम चीफ मिनिस्टर का कहना है कि वो इन धमकियों नहीं डरती हैं। वहीं इस मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने ऋचा का सपोर्ट किया है और इन सारी चीजों को गलत बताया है।

'नेपोटिज्म' और 'मूवी माफिया' के अलावा सबसे बुरा है 'नाइट शिफ्ट' में काम करना

एक्ट्रेस कंगना रनोट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वे आए दिन किसी न किसी मुद्दे पर बिना डरे बेबाकी से अपनी राय व्यक्त करती रहती हैं। अब हाल ही में कंगना ने पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को बताया कि एक एक्टर के तौर पर 'नेपोटिज्म' और 'मूवी माफिया' के अलावा भी एक सबसे ज्यादा बुरी चीज होती है 'नाइट शिफ्ट' में काम करना, जिसकी उन्हें अब तक आदत नहीं पड़ी है। इसके अलावा कंगना ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'धाकड़' का एक पोस्टर भी शेयर किया है और इसकी रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी कर दी है। कंगना की 'धाकड़' 1 अक्टूबर को रिलीज होगी।

'नाइट शिफ्ट' में काम करना है ज्यादा बुरा

कंगना रनोट ने पोस्ट में लिखा, 'नेपोटिज्म' और 'मूवी माफिया' के अलावा एक एक्टर के तौर पर सबसे ज्यादा बुरी चीज 'नाइट शिफ्ट' में काम करना है। जब सूरज उग रहा होता है, तब आप सोते हैं। आपका बॉडी क्लॉक और फूड साइकिल पूरी तरह बिगड़ जाता है। पहली कुछ रातों के बाद मुझे भूख कम लगने लगी और सब कुछ अव्यवस्थित हो गया। मेरी बॉडी को इसकी आदत पड़ने का इंतजार कर रही हूं, ट्विटर पर क्या खबर है?

'धाकड़' 1 अक्टूबर को होगी रिलीज

'धाकड़' का पोस्टर शेयर कर कंगना ने लिखा, वो निडर और उग्र है, वो एजेंट अग्नि है। भारत की पहली महिला एक्शन थ्रिलर 'धाकड़' 1 अक्टूबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कंगना इन दिनों मध्यप्रदेश के भोपाल में 'धाकड़' की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म में कंगना के अलावा अर्जुन रामपाल भी लीड रोल में हैं। इस स्पाई थ्रिलर फिल्म में कंगना एक फीमेल स्पाई की भूमिका में नजर आएंगी। वहीं अर्जुन विलेन बने हैं, जो जिस्मफरोशी के धंधे के साथ-साथ हथियारों और ड्रग्स की तस्करी भी करता है।

कंगना की 'थलाइवी' जल्द होगी रिलीज

'धाकड़' से पहले कंगना ने 'तेजस' के कुछ शेड्यूल की शूटिंग भी की है। इस फिल्म में कंगना एयरफोर्स ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगी। कंगना इससे पहले अपनी अपकमिंग फिल्म 'थलाइवी' (जयललिता की बायोपिक) की शूटिंग में बिजी थीं। जिसकी शूटिंग कम्पलीट हो चुकी है, और यह फिल्म जल्द ही हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में रिलीज होगी।

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा ने बिकिनी में ढाया कहर

एक्टर शाहिद कपूर पत्नी मीरा राजपूत के साथ गोवा में वेकेशन मना रहे हैं। हाल ही में मीरा ने गोवा पहुंचने के बाद अपने रूम और पूल की फोटो शेयर की थी। अब उन्होंने अपनी एक बोल्ड तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह बिकिनी में नजर आ रही हैं। इसके अलावा उन्होंने गोवा से कई तस्वीरें फैन्स के साथ साझा की हैं जिन्हें बहुत पसंद किया जा रहा है।

इस तस्वीर को मीरा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर की है, जिसमें वह मिरर के सामने सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। फोटो में मीरा बिकिनी में काफी ग्लैमरस और बोल्ड लुक में दिख रही हैं। उन्होंने बिकिनी के ऊपर फ्लोरल प्रिंट श्रग पहन रखा है। मीरा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी और भी तस्वीरें शेयर की हैं। फोटोज में वह कैमरे के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्लैक नोटेड टॉप और पिंक ट्राउजर पहन रखा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "आप मुझे जैस्मिन बुला सकते हैं।"

शाहिद कपूर की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो हाल ही में उन्होंने अपनी नई फिल्म जर्सी की रिलीज डेट का ऐलान किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक फोटो शेयर की, जिसमें वह क्रिकेटर के लुक में नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में बताया कि उनकी फिल्म जर्सी दिवाली के मौके पर 5 नवंबर को रिलीज होगी।

रिलीज के लिए उन्होंने दीपावली को ही क्यों चुना? इस बारे में बात करते हुए निमार्ता अमन गिल ने कहा, "दीपावली साल का सबसे बड़ा पारिवारिक त्योहार है, और दर्शकों के लिए एक पारिवारिक स्पोर्ट्स-ड्रामा 'जर्सी' जैसी फिल्म लाने का यह सही समय है। यह ऐसा समय होता है जब पूरा परिवार एक साथ जश्न मनाता है।" फिल्म जर्सी में मृणाल ठाकुर और पंकज कपूर भी हैं। यह गौतम तिन्ननुरी द्वारा निर्देशित है और इसमें संगीत टिपमर और परम्परा का है। फिल्म उसी नाम की व्यावसायिक रूप से सफल तेलुगू फिल्म की रीमेक है।

कपिल शर्मा ने बताया- वह शादी के दौरान स्टेज से क्यों भाग गए थे?

एक्टर कपिल शर्मा भारत के सबसे सक्सेसफुल कॉमेडियन्स में से एक हैं। इनका सेलिब्रिटी शो द कपिल शर्मा शो है। हाल ही में कपिल शर्मा ने एक एपिसोड के दौरान अपनी और गिन्नी चतरथ की शादी को लेकर खुलासा किया। बताया कि क्यों वह स्टेज से उठकर भाग गए थे और खुद को एक कमरे में बंद कर लिया था। मालूम हो कि कपिल शर्मा ने 12 दिसंबर 2018, पंजाब में गिन्नी चतरथ संग सात फेरे लिए थे। शादी के एक साल बाद वह पिता बनें। इनकी बेटी का नाम अनायरा है।

हाल ही में राज बब्बर और जया प्रदा मेहमान बनकर शो में पहुंचे। दोनों की एक फिल्म आ रही है, जिसका प्रमोशन करने वह पहुंचे थे। इस दौरान कपिल ने राज बब्बर से पूछा- रैली में आप स्टेज को पर्सनली चेक करते हैं, स्पीच देने से पहले, क्या यह सच बात है?

राज बब्बर कहते हैं कि जब मैंने पॉलिटिक्स जॉइन की थी तब कई फैन्स रैली में आते थे। हम उन्हें धक्का तो नहीं दे सकते, जिनमें से कुछ लोग तो स्टेज पर चढ़ जाते थे। स्टेज ज्यादा लोगों को संभाल नहीं सकता है, जिसकी वजह से टूट भी जाता है। इस डर से मैं रैली में आने से पहले स्टेज चैक करता हूं।

इस पर कपिल शर्मा ने कहा कि हां मैं आपकी इस बात से सहमत हूं, क्योंकि मेरी शादी में ऐसा हुआ था। स्टेज पर कई लोग चढ़ गए थे और मैं कमरे में भाग गया था और बाहर भी नहीं आया था बहुत देर तक।

आलिया भट्ट को काम के प्रेशर के चलते हुआ टेंशन

हॉस्पिटल में होना पड़ा भर्ती

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपने काम को लेकर बहुत बिजी चल रही हैं। वह एक के बाद प्रोजेक्ट्स की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ा है। इन दिनों आलिया डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए शूटिंग कर रही हैं, लेकिन काम के प्रेशर के चलते उनकी तबीयत खराब हो गई। ऐसे में उन्हें सर एच एन रिलायंस हॉस्पिटल में एडमिट होना पड़ा।

पीपिंग मून के अनुसार, आलिया उसी दिन हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो गईं। ठीक होने के बाद वह सोमवार सुबह यानी 18 जवनरी की सुबह फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के सेट पर पहुंच गईं और शूटिंग शुरू कर दी है। हालांकि, आलिया के अस्पताल में एडमिट होने को लेकर फिल्म की टीम की तरफ से कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

बताते चलें कि आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी विवादों आ गई है। गंगूबाई के बेटे का कहना है कि जैदी की किताब के कुछ हिस्से बदनाम करने वाले हैं, जिससे उनकी निजता का उल्लंघन हो रहा है। इसलिए, वह चाहते हैं कि फिल्म की शूटिंग को रोक दिया जाए। वहीं गंगूबाई काठियावाड़ी के परिवार ने इस फिल्म को लेकर केस भी दर्ज कराया है।

आलिया भट्ट की यह फिल्म पहले 11 सितंबर 2020 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। हालांकि कोरोना वायरस महामारी के कारण फिल्म की शूटिंग समय पर पूरी नहीं हो सकी। अब चर्चा है कि मेकर्स इस फिल्म को दिवाली पर रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं। इस फिल्म के अलावा आलिया भट्ट, अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मस्त्र' और 'बाहुबली' फेम डायरेक्टर एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'फफ़्फ़' में भी नजर आएंगी।

रोड पर मारपीट के मामले में महेश मांजरेकर का बयान मैंने बेवकूफी की मुझे पहले पुलिस के पास जाना चाहिए था

बॉलीवुड मशहूर अभिनेता और निमार्ता-निर्देशक महेश मांजरेकर हाल ही में मुश्किलों में पड़ गए हैं। निर्देशक के खिलाफ एक शख्स ने मारपीट का आरोप लगाया है। साथ ही उनके खिलाफ महाराष्ट्र के यावत पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई है। डायरेक्टर के खिलाफ खिलाफ रोड रेज को लेकर शिकायत की गई है। शख्स ने आरोप लगाया है कि महेश ने बीच रोड पर उनके साथ मारपीट की उन्हें थप्पड़ मारा और गाली गलौच की। हालांकि ये मामला 15 जनवरी का है।

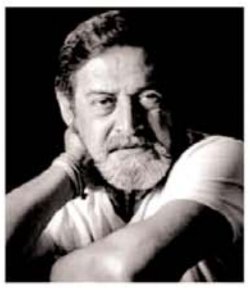

अब इस मामले पर डायरेक्टर का बयान सामने आया है। स्पॉटब्वॉय से बातचीत में महेश ने कहा, ये पूरी घटना बहुत मूर्खता वाली है। किसी ने मेरी कार पर पीछे से टक्कर मारी। मुझे लगा वो नशे में है। इसके बाद उस शख्स ने अगले दिन शिकायत दर्ज करवा दी और पूरा मामला मीडिया के लिए सर्कस बन गया।

स्पॉट हुईं प्रेग्नेंट करीना कपूर, कैजुअल लुक में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर इन दिनों प्रेग्नेंसी पीरियड एंजॉय कर रही हैं। वह जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। इस बीच करीना कपूर को उनके नए घर के बाहर स्पॉट किया गया। इस दौरान वह बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं। करीना की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें उनके लुक की खूब तारीफ हो रही है।

अपने नए घर के बाहर करीना टैंक टॉप और ब्लैक लूज पैंट में नजर आईं। इससे पहले करीना अक्सर ओवरसाइज आउटफिट में दिखती थीं, लेकिन उनके इस नए लुक को बहुत पसंद किया जा रहा है। करीना ने बालों का बन बनाया हुआ था। उन्होंने सनग्लासेस के साथ हाथ में बैग कैरी किया था जो उनके कैजुअल लुक को कम्प्लीट कर रहा था। इससे पहले करीना कपूर को मुंबई में शॉपिंग करने के दौरान स्पॉट किया गया था।

बता दें कि प्रेग्नेंसी के दौरान भी करीना काम करती रही हैं। इस बारे में करीना ने हाल ही में बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में कहा, रनहीं, मेरी कभी भी कोई योजना नहीं रहती है कि मुझे ये करना है या वो। यहां सिर्फ इतनी-सी बात है कि मैं उस तरह की इंसान नहीं हूं जो घर पर बैठकर यह कहता हो, 'अब मैं कुछ नहीं करूंगी।' मैं वही कर रही हूं, जो मैं करना चाहती हूं। ऐसे में काम करना ठीक नहीं है, चाहे वह मेरी गर्भावस्था के दौरान हो या प्रसव के बाद, यह सिर्फ कहने की एक बात है।

हमारे बूढ़े होने से पहले घर आ रहा है एक और नन्हा मेहमान-सैफ अली

सैफ अली खान की वेब सीरीज तांडव रिलीज हुई है, जिसके बाद वह कॉन्ट्रेवर्सी से घिर चुकी है। हर कोई इस सीरीज के बारे में बात कर रहा है। कोई इसमें एक्टिंग और प्लॉटलाइन से खुश नहीं है तो कोई धर्म के नाम पर इसे ट्रोल कर रहा है।

कॉन्ट्रोवर्सी और प्यार दोनों के बीच सैफ अली खान चौथी बार पिता बनने वाले हैं। पहली बार वह पिता साल 1995 में बने थे, जब एक्स वाइफ अमृता सिंह ने सारा अली खान को जन्म दिया था। इसके बाद साल 2001 में इब्राहिम अली खान हुए। 2016 में करीना कपूर खान से तैमूर अली खान ने जन्म लिया। अब साल 2021 में करीना दूसरे बेबी को जन्म देने वाली हैं। इस बात को लेकर सैफ काफी एक्साइटेड हैं।

सैफ अली खान ने चौथी बार पिता बनने पर बात की। उन्होंने कहा, मैं एक्साइटेड हूं कि मैं एक बार फिर पिता बनने जा रहा हूं। मुझे बच्चे बहुत पसंद हैं, घर में उनकी गर्माहट और खुशी से मुझे अच्छा लगता है। मेरे दो बड़े बच्चे हैं, जिनके साथ मेरा अलग रिलेशन है। अब वह मैच्योर हो चुके हैं और जिंदगी के एक अलग पढ़ाव पर पहुंच चुके हैं। लेकिन मैं आने वाले नन्हे मेहमान को लेकर काफी खुश हूं, हमारे बूढ़े होने से पहले वह आ रहे हैं इसके अलावा सैफ अली खान ने कहा कि इस साल के अंत में मैं बस बैठकर वाइन पीना चाहता हूं और जो साल गया है उसके लिए अच्छा महसूस करना चाहता हूं।

रायसीना हिल्स पर सेना के जवानों ने शुरू की रिहर्सल

नई दिल्ली ब्यूरो

राजधानी दिल्ली में हर साल गणतंत्र दिवस की परेड के बाद 29 जनवरी की शाम को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। हर साल रायसीना रोड पर राष्ट्रपति भवन के सामने सेना के जवान इसका प्रदर्शन करते हैं। ये प्रदर्शन अपने आप में आकर्षण का केंद्र होता है।

बीटिंग द रिट्रीट को देखने के लिए काफी संख्या में लोग जमा होते हैं। चार दिनों तक चलने वाले गणतंत्र दिवस समारोह का समापन बीटिंग रिट्रीट के साथ ही होता है।

क्या है बीटिंग द रिट्रीट: बीटिंग द रिट्रीट का आयोजन गणतंत्र दिवस समारोह के तीसरे दिन यानी 29 जनवरी की शाम को किया जाता है। यह 26 जनवरी को शुरू हुए समारोह के समाप्त होने का सूचक है। इसका आयोजन राष्ट्रपति भवन के सामने रायसीना हिल्स पर किया जाता है, जिसके चीफ गेस्ट राष्ट्रपति होते हैं। 26 जनवरी से 29 जनवरी के बीच राष्ट्रपति भवन समेत सरकारी भवन को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया जाता है। इस आयोजन में तीनों सेनाएं (आर्मी, नेवी, एयरफोर्स) एक साथ मिलकर सामूहिक बैंड का कार्यक्रम प्रस्तुत करती हैं। साथ ही परेड भी होती है।

साल 2020 में भारतीय धुनों पर था जोर : साल 2020 में बीटिंग द रिट्रीटसमारोह में भारतीय धुनों पर जोर था। इसी तरह से इस बार भी ऐसे ही किसी खास चीज पर जोर रहेगा। राजधानी में विजय चौक पर होने वाले समारोह में तीनों सेनाओं और सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज की ओर से परफॉर्मेंस पेश की जाती है।

इस बार कोरोना की वजह से इस पर भी कुछ प्रभाव पड़ेगा। साल 2020 में इस मौके पर 26 टयून पेश की गई थी, इन 26 में से 25 की ट्यून के कंपोजर भारतीय म्यूजिशन थे। सारे जहां से अच्छा हिंदोस्ता हमारा गाने के साथ कार्यक्रम का समापन होता है।

विजय चौक पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से हो जाती है बंद : बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान विजय चौक पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहती है। रफी मार्ग और सुनेहरी मस्जिद चौक के बीच की सड़क पर वाहनों को चलने की इजाजत नहीं होती है। रायसीना रोड पर कृषि भवन चौक से लेकर विजय चौक की तरफ वाहनों को जाना बंद कर दिया जाता है।दारा शिकोह रोड चौराहा, कृष्णा मेनन मार्ग चौराहा और सुनेहरी मस्जिद चौराहे से विजय चौक की ओर भी ट्रैफिक बंद रहता है। विजय चौक और सी-हेक्सागन के बीच में राजपथ पर वाहन नहीं चलते हैं लेकिन यह रास्ता पैदल यात्रियों के लिए खुला रहेगा। राष्ट्रपति भवन, नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक पर रोशनी की जाती है। ये रोशनी देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचते हैं मगर इस बार इसमें भी बदलाव रहेगा।

न्यूज. ब्रीफ

हरियाणा द्वारा केंद्र सरकार से 5000 करोड़ रू प्रदान किए जाने की मांग की

नई दिल्ली । राजस्थान बजट पूर्व बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन को हरियाणा प्रदेश की विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए वित्तीय आवश्यकताओं के बारे में अवगत करवाया। बजट पूर्व बैठक में भाग लेने के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा द्वारा प्रदेश की विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से केंद्रीय बजट, 2021-2022 में 5000 करोड़ रुपए की मांग की गई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि लघु सिंचाई परियोजनाओं व तालाबों के जीर्णोद्धार के लिए हरियाणा द्वारा केंद्रीय बजट,2021-2022 में 1000 करोड़ रुपए प्रदान किए जाने की मांग की गई ।

भारत ने ईरान के चाबहार पोर्ट के लिए दो मोबाइल हार्बर क्रैन की सप्लाई की

नई दिल्ली। भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह के लिए दो मोबाइल हार्बल क्रैन यानी एमएचसी सप्लाई किए हैं। बंदरगाह जहाजरानी व भूमिगत जलमार्ग मंत्रालय ने छह एमएचसी की सप्लाई के लिए ईरान से 2.5 करोड़ डॉलर का कॉन्ट्रैक्ट लिया है। इसके तहत दो क्रैन की सप्लाई की गई है। बता दें, ईरान के चाबहार बंदरगाह का विकास भारत के सहयोग से किया गया है। यहां से गत दिनों ईरानी उत्पादों से भरा एक मालवाहक जहाज थाईलैंड के लिए रवाना हुआ। अरब सागर में रणनीतिक अहमियत वाली जगह स्थित चाबहार बंदरगाह का निर्माण भारत, ईरान और अफगानिस्तान ने मिलकर किया है। तीनों देशों ने यह कदम पाकिस्तान की तरफ से नई दिल्ली को अफगानिस्तान व ईरान के लिए माल भेजने का रास्ता देने से इनकार के बाद उठाया था। ईरान के दक्षिण तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान राज्य में मौजूद चाबहार बंदरगाह तक भारत के पश्चिमी तट से पाकिस्तान को बाईपास करते हुए आसानी से पहुचा जा सकता है। इस प्रोजेक्ट के पहले चरण का उद्घाटन दिसंबर, 2017 में किया गया था।

पेरिस करार में लौट सकते हैं बाइडेन

न्यूयॉर्क । अमेरिका के चुने गए राष्ट्रपति जो बाइडेन 20 जनवरी को राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस संभालने जा रहे हैं। उनके प्रशासन को विरासत में मुसीबतों का पिटारा भी मिल रहा है। इसीलिए उन्होंने पहले 10 दिन में ही ट्रम्प युग के विवादित फैसलों को पलटकर नया अमेरिका खड़ा करने के लिए कई प्रस्तावों को हरी झंडी देने की तैयारी में है। व्हाइट हाउस के नए चीफ ऑफ स्टाफ रोन क्लीन ने कहा कि बाइडेन कार्यकाल के पहले दिन 4 चुनौतियों- कोरोना, आर्थिक संकट, पर्यावरण और नस्लीय असमानता से निपटने के लिए एक दर्जन प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करेंगे। इनमें अमेरिका को पेरिस समझौते में लाना, 7 मुस्लिम देशों पर लगे यात्रा प्रतिबंध रद्द करना शामिल है।

कॉल गर्ल के ऑडियो ने किया पदार्फाश, 2 सिपाही चलाते थे सैक्स रैकेट

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में एक सेक्स रैकेट का ऑडियो वायरल होने के बाद सेक्स रैकेट चलाने के मामले में संदिग्ध पाए गए 2 सिपाहियों को पुलिस अधीक्षक ने निलंबित कर दिया है। कॉल गर्ल के एक ऑडियो ने दोनों सिपाहियों के कारनामे का पदार्फाश कर दिया। शिकायत के साथ मिली आडियो की गोपनीय जांच कराने के बाद साक्ष्य जुटा कर दोनों सिपाहियों पर कार्रवाई की गई है।वायरल ऑडियो में एक लड़की की आवाज सुनी जा सकती है। जानकारी के मुताबिक वह आवाज बरेली की एक कॉलगर्ल की है। ऑडियो में दो सिपाही सचिन और विपिन का नाम लिया जा रहा है।

अब हिंद महासागर पर जमाई ड्रैगन ने नजरें

बीजिंग एजेंसी

दक्षिण चीन सागर पर अपने प्रभुत्व जमाने के बाद चीन की नजर अब हिंद महासागर पर टिक गई है। इसका खुलासा तब हुआ, जब इंडोनेशिया की नौसेना ने हाल में चीन के एक जासूसी जहाज को अपने देश की जलसीमा के पास पकड़ा। इसके पूर्व चीन का पानी के अंदर चलने वाला एक जासूसी ड्रोन विमान इंडोनेशिया की सीमा के पास पकड़ा गया था।

चीन, इस समय भारत समेत अपने पड़ोसी मुल्कों की जासूसी में लगा हुआ है। चीन पिछले दो वर्षों से भारत की नाक के नीचे जासूसी करने में लिप्त है। खास बात यह है कि जासूसी करने के दौरान वह जहाज पर लगे निगरानी उपकरणों को बंद कर देता है, ताकि किसी को इसकी भनक न लगे। आखिर हिंद महासागर में क्यों है चीन की दिलचस्पी। हिंद महासागर में की सक्रियता से क्यों चिंतित है भारत।

चीन की सीमा से इतना दूर समुद्र के अंदर ड्रोन मिलने से यह प्रमाणित हो गया है कि चीन की सेना खुफिया तरीके से दक्षिण चीन सागर से हिंद महासागर में प्रवेश के रास्ते की जांच कर रही है। चीन का जासूसी ड्रोन इस काम को अंजाम देने में जुटा है। यही कारण है कि पिछले दो वर्षों के दौरान यह तीसरा मौका है जब चीनी ड्रोन हिंद महासागर का दरवाजा कहे जाने वाले इंडोनेशिया के पास पकड़ा गया है। रक्षा बेबसाइट द ड्राइव की मानें तो चीन की किलर पनडुब्बियां पानी के अंदर डूबकर आसानी से हिंद महासागर तक का अपना रास्ता आसानी से तय कर सकती हैं।

चीन के इस जासूसी विमान का नाम शियांग यांग होंग है। यह जहाज 6 जनवरी को चीन के हैनान द्वीप के सान्या ठिकाने से निकला था। इस जहाज को इंडोनेशिया के कोस्ट गार्ड ने 11 जनवरी को सुंडा स्ट्रेट के पास पकडा था। महत्वपूर्ण स्ट्रेट से गुजरने वाले हर जहाज के लिए यह जरूरी है कि वह अपने ऑटोमेटेड इन्फॉर्मेशन सिस्टम को चालू रखे, लेकिन चीन के जासूसी जहाज ने इन नियमों का अतिक्रमण किया। इसके पूर्व चीन का एक जासूसी विमान इंडोनेशिया की सीमा के पास पाया गया था। इंडोनेशिया के कोस्ट गार्ड ने जब पूछताछ की तो चीनी दल ने बहाना बनाया। चीनी दल ने कहा कि उनका सिस्टम खराब हो गया है। इंडोनेशियाई कोस्ट गार्ड ने बताया कि चीन के जहाजों ने दो बार अपने ट्रांसपोंडर को बंद किया। इसके पूर्व इंडोनेशिया के पास समुद्र के अंदर मछुआरों को चीन का एक खुफिया ड्रोन मिला था।

चीन हिंद महासागर में बहुत तेजी से अपने पैर पसार रहा है। गत वर्ष ली गई सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि अफ्रीका के जिबूती में चीन ने नौ सेना का अत्याधुनिक बेस बनाया है। इसको पहले लॉजिस्टिक सपोर्ट के लिए बनाया गया था, लेकिन इस ठिकाने को अब नौ सेना बेस में तब्दील कर दिया गया है। इस नौसेना बेस पर विमानवाहक पोत भी खड़ा हो सकता है। जिबूती स्थित चीन का नौसेना बेस हिंद महासागर में ड्रैगन की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। यह नौसेना बेस अपने आप में एक चीनी किले की तरह है।

बाइडेन के शपथ के दौरान अंदर मौजूद लोग कर सकते हैं हमला!

वाशिंगटन। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन बुधवार को पद की शपथ लेने वाले हैं। लेकिन शपथ ग्रहण समारोह पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी सरकार के सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि उन्हें डर है कि बाइडेन के शपथ के दौरान सुरक्षा टीम का ही कोई व्यक्ति हमला कर सकता है। खतरे को देखकर अतिरिक्त उपाय किए जा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, एफबीआई ने वॉशिंगटन पहुंच रहे नेशनल गार्ड के 25 हजार जवानों की विशेष जांच का फैसला किया है। बता दें कि छह जनवरी को अमेरिकी संसद पर ट्रंप समर्थकों के हमले के बाद सुरक्षा को लेकर काफी डर फैल गया है। हमले के दौरान 5 लोगों की मौत हो गई थी। अमेरिका की प्रमुख सुरक्षा एजेंसियों को डर है कि जो लोग वॉशिंगटन शहर की सुरक्षा में तैनात किए हैं, उनसे भी खतरा पैदा हो सकता है। जो बाइडेन और अन्य वीआईपी लोगों को लेकर खतरा जताया जा रहा है। अमेरिकी प्रमुख सुरक्षा एजेंसियों को डर है कि जो लोग वॉशिंगटन शहर की सुरक्षा में तैनात किए हैं, उनसे भी खतरा पैदा हो सकता है। जो बाइडेन और अन्य वीआईपी लोगों को लेकर खतरा जताया जा रहा है। हालांकि, अब तक शपथ ग्रहण समारोह के खतरे को लेकर कोई सबूत नहीं मिले हैं। आर्मी सेक्रेटरी रयान मैकेर्थी ने कहा कि फिर भी हम ऑपरेशन में शामिल सभी व्यक्ति की कई बार जांच कर रहे हैं।

उन्हेल में एक क्लिनिक पर छापामार कार्यवाही, पात्रता न रखने पर क्लिनिक सील किया

ब्यूरो रिपोर्ट

उज्जैन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.महावीर खंडेलवाल ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार गत दिवस उन्हेल स्टेशन में क्लीनिक संचालन करने वाले डॉ.कार्तिक विश्वास के क्लीनिक में डॉ.कमल सोलंकी खण्ड चिकित्साधिकारी उन्हेल व उनकी टीम द्वारा झापामार कार्यवाही की गई।छापे में डॉ.कार्तिक विश्वास की शैक्षणिक योग्यता क्लीनिक का संचालन करने हेतु पात्र नहीं पाई गई। डॉ.कार्तिक विश्वास द्वारा अपनी शैक्षणिक योग्यता के विरूद्ध जाकर किसी अन्य पद्धति में उपचार किया जा रहा है और डॉ.कार्तिक विश्वास द्वारा चलाये जाने वाले क्लीनिक का पंजीयन भी नहीं पाया गया, जिस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए छापा मारने गई टीम ने क्लीनिक को सील कर दिया गया है एवं आगामी कार्यवाही हेतु वरिष्ठ स्तर पर सूचित किया गया है।

सेल्फी लेने के दौरान राजा नल तालाब में डूबने से 14 वर्षीय बच्ची की मौत, घूमने गया था परिवार

ब्यूरो रिपोर्ट

देवास । जरा सी लापरवाही और एक बच्ची की जान चली गई। खटांबा से राजा नल तालाब में घूमने गया एक परिवार हादसे का शिकार हो गया। परिवार में शामिल एक 14 वर्षीय बच्ची की तालाब में डूबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नुजहत उम्र 14 वर्ष निवासी सांवेर खटांबा स्थित अपने रिश्तेदारों के यहां आई हुई थी। सभी लोग राजा नल स्थित तालाब में घूमने गए। सेल्फी लेने के दौरान परिवार की 4 बच्चियां डूबने लगी। आसपास के लोगों ने दौड़कर तीन बच्चियों को तो बचा लिया लेकिन चौथी बच्ची नहीं मिल सकी। एसडीआरएफ की टीम ने सुबह 14 वर्षीय नुसरत की लाश तालाब से निकाली।

पिछले सप्ताह बुआ के घर आई थी नुजहत-14 साल की नुजहत आठवीं की छात्रा थी और इंदौर के सांवेर की रहने वाली थी। वह पिछले सप्ताह ही घूमने के लिए खटाम्बा में बुआ के घर आई थी। 18 जनवरी को वह अपनी बुआ और परिवार के 6 अन्य सदस्यों के साथ पिकनिक के लिए तालाब पर गई जहां हादसा हो गया। पिकनिक पर परिवार से कोई पुरुष साथ नहीं गया था।

सेल्फी के दौरान रहे सावधान-देखने में आया है कि अधिकतर दुर्घटना है सेल्फी लेने के दौरान होती हैं। यह दुर्घटना भी सेल्फी लेने के दौरान पैर फिसलने से होना बताई जा रही है। सेल्फी लेने के दौरान सारा ध्यान तस्वीर की ओर जाता है इस वजह से शरीर का बैलेंस बिगड़ने का डर होता है।

महाराणा प्रताप जी का 424 वा बलिदान दिवस अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट ने मनाया

अमित शर्मा रिपोर्टर

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट जिला ग्वालियर के संगठन ने गोले के मंदिर चौराहे स्थित महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर गंगाजल से स्नान करवाकर धूप दीप कर माल्यार्पण कर महाराणा प्रताप जी का बलिदान दिवस मनाया।। जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह तोमर जी ने बताया संगठन के सभी पदाधिकारियों ने महाराणा प्रताप जी को माल्यार्पण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह तोमर जी ने संगठन के सभी साथियों से महाराणा प्रताप जी के बताए हुए मार्ग पर चलने का आव्हान किया।। महाराणा प्रताप जी ने जिस तरह युद्ध के समय सभी जातियों का सम्मान करते हुए उन्हें अपने साथ लेकर युद्ध लड़ा उसी प्रकार हम सभी को भी भारत देश के अंदर सभी धर्म एवं जाति के लोगों का सम्मान करते हुए उन्हें अपने साथ लेकर कदम से कदम मिलाकर चलना है जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह तोमर ने आगे कहा कि हम सब का यह मानना है क्षत्रिय जाति नहीं, धर्म है। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महिला विंग की राष्ट्रीय महासचिव निशा राज सिंह तोमर, महिला जिला अध्यक्ष मंजू सिंह सेंगर, प्रदेश संगठन मंत्री राजीव सिंह भदोरिया, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह कुशवाह, जिला उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह तोमर, महामंत्री राम तोमर, कोषाध्यक्ष राजीव सिंह भदोरिया, टिंकू सिंह तोमर, राधा शरण सिंह तोमर, दिनेश सिंह परमार, रणवीर सिंह भदोरिया, अरविंद सिंह परमार, रविंद्र सिंह तोमर, दीपू भदोरिया, कोमल सिंह तोमर, गोलू चौहान, पहलवान रविंद्र सिंह तोमर, हरिमोहन सिंह तोमर, सतीश तोमर, सहदेव सिंह जादौन, सिम्मी जादौन, आदि अनेक साथियों ने महाराणा प्रताप जी को अपनी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।।

न्यूज. ब्रीफ

महिला क्रिकेट सत्र शुरू करने को बीसीसीआई ने अनुमति दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शीर्ष परिषद ने मार्च में महिला क्रिकेट सत्र को शुरू करने की अनुमति दे दी है। महिलाओं के सत्र की शुरूआत संभवतः मार्च से सीनियर क्रिकेट के साथ होगी। बीसीसीआई ने राष्ट्रीय महिला टीम के लिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बहाल करने के लिये श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका से बात की है क्योंकि पिछले साल मार्च में टी२० विश्व कप के बाद से खिलाड़ियों ने क्रिकेट नही खेला है। यह घरेलू श्रृंखला होगी और इसके फरवरी में खेले जाने की उम्मीद है। वहीं भारत का घरेलू सत्र कोविड-१९ महामारी के कारण शुरू नहीं हो सका पर इस माह के बाद इस माह के शुरू में सैयद मुश्ताक अली टी२० ट्राफी से इसकी शुरूआत हुई। यह टूनार्मेंट बायो-बबल (जैव सुरक्षा घेरे) में हो रहा है। बीससीआई की बैठक में रणजी ट्रॉफी पर फैसला होने की उम्मीद थी पर सदस्यों के बीच आम सहमति नहीं बन सकी हालांकि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस प्रतिष्ठित प्रथम श्रेणी टूनार्मेंट को आयोजित करने के पक्ष में थे।बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, च्अध्यक्ष रणजी ट्राफी कराने के पक्ष में थे लेकिन कुछ अन्य ऐसा नहीं चाहते थे बल्कि वे विजय हजारे ट्राफी (५० ओवर) के आयोजन के पक्ष में थे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए निकले बोपन्ना पृथकवास में भेजे गये

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने निकले भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को एक कोरोना संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने के कारण पृथकवास में भेज दिया गया है। शीर्ष युगल खिलाडी बोपन्ना दोहा से मेलबर्न जा रहे थे पर इसी विमान में एक कोरोना संक्रमित व्यक्ति पाया गया था। इसके बाद से ही इस टूनार्मेंट के लिये दो विशेष विमानों से यहां पहुंचे 47 खिलाड़ियों को कड़े पृथकवास पर भेज दिया गया है क्योंकि इन उड़ान में कोरोना वायरस के चार मामले पॉजीटिव पाये गये थे। वहीं बोपन्ना के अलावा पृथकवास पर भेजे गये खिलाड़ियों में विक्टोरिया अजारेंका, एंजेलिक कर्बर, केई निशिकोरी जैसे बड़े खिलाड़ी भी शामिल है। इन चार मामलों में से तीन मामले लॉस एंजिल्स की उड़ान से जुड़े है जबकि एक मामला खाड़ी देश से आये विमान से जुड़ा है। बोपन्ना ने कहा , हमें बस यह कहा गया है कि हमारी उड़ान में एक व्यक्ति को कोरोना पॉजीटिव पाया गया है। दोहा से दो उड़ाने रवाना हुई थी पर दुर्भाग्य से एक कोरोना संक्रमित यात्री भी हमारे साथ विमान में था। साथ ही कहा, ह्यह्यइस समय सबसे जरूरी है कि दिमाग को किसी ना किसी काम में व्यस्त रखा जाये। अभी मैं कोई ऑनलाइन पाठ्यक्रम करूंगा या टीवी देखूंगा। वहीं बोपन्ना के साथ ही उनके कोच स्कॉट डेविडॉफ को भी सख्त पृथकवास में रहना होगा।

द्रविड़ की तरह उभरती हुई प्रतिभाओं को निखारें पूर्व पाक क्रिकेटर : अफरीदी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों से कहा है कि वह दिग्गज भारतीय बल्लेबाज रहे राहुल द्रविड़ की राह पर चलें और जिस प्रकार द्रविड़ भारत में यूवा प्रतिभाओं को निखार रहें है वैसा ही करें। द्रविड़ साल 2016 से 2019 तक भारत की अंडर-19 और भारत ए टीमों के कोच रहे और इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख हैं। एक कार्यक्रम में अफरीदी ने कहा कि द्रविड़ ने अंडर-19 स्तर पर युवा भारतीय खिलाड़ियों के साथ काफी मेहनत की है। अफरीदी ने कहा, ह्यमुझे लगता है कि हमें बेहतरीन प्रतिभाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है इसलिए जो भी युवा आ रहे हैं, उन्हें हमारे पूर्व महान खिलाड़ियों द्वारा सही तरह से निखारने की जरूरत है। ये इन युवा खिलाड़ियों के साथ काफी कुछ कर सकते हैं।ह्न उन्होंने कहा कि महान खिलाड़ी जैसे इंजमाम-उल-हक, यूनिस खान और मोहम्मद युसूफ पाकिस्तान की युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशने में काफी कुछ कर सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के मिसबाह-उल-हक और वकार यूनिस की कोचिंग में खेलने से इंकार को लेकर अफरीदी ने कहा कि यह हमारे यहां की पुरानी समस्या है।

|सिराज और शार्दुल ने ऑस्ट्रेलिया को 294 रनों पर समेटा|

भारत को सीरीज जीतने चाहिये 324 रन

ब्रिस्बेन ■ एजेंसी

भारतीय टीम को मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टेस्ट जीतने के लिए अंतिम दिन 324 रन और बनाने हैं। बारिश की बाधा के कारण चौथे दिन का खेल तय समय से पहले ही समाप्त करना पड़ा। उस समय तक भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले 328 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 1.5 ओवरों में बिना किसी नुकसान के 4 रन बना लिए थे। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 4 रन पर खेल रहे थे जबकि शुभमन गिल ने खाता नहीं खोला था। इसके बाद बारिश शुरू हो गयी जिसके नहीं रुकने पर अंपायरों ने दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया। ऐसे में अब पांचवें दिन भारत को जीत दर्ज करने के लिए 324 रन बनाने होंगे।

इससे पहले आज सुबह तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी से भारत ने मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को दूसरी पारी में 294 रनों पर ही समेट दिया। भारत की ओर से सिराज ने पांच और शार्दुल ने 4 विकेट लिए। इस प्रकार ऑस्ट्रेलयाई टीम को 327 रनों की बढ़त पहली पारी के आधार पर मिली है। ऐसे में भारत को जीत के लिए 328 रनों का लक्ष्य मिला है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 369 रन बनाए जबकि भारतीय टीम 336 रनों पर ही आउट हो गयी थी। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों सिराज और शार्दुल के सामने टिक नहीं पाये। केवल स्टीव स्मिथ ही 55 रनों की अर्धशतकीय पारी खेल पाए जबकि डेविड वार्नर दो रनों से अर्धशतक नहीं लगा पाये। वार्नर 48 रन बनाकर आउट हुए। मेजबान टीम की दूसरी पारी की शुरूआत अच्छी रही और पहले विकेट के लिए वार्नर और मार्कस हैरिस के बीच 89 रन की साझेदारी हुई। इसके बाद हैरिस को शार्दुल ने आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। हैरिस ने 82 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से 38 रन बनाए। हैरिस के आउट होने के बाद टीम के मात्र 2 ही रन बने थे कि सलामी बल्लेबाज वार्नर भी पवेलियन लौट गए। वह वाशिंगटन सुंदर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू होने के कारण 48 रनों पर पेवेलियन लौटे। सिराज ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन दिखाते हुए चौथा विकेट मिशेल स्टार्क का लिया। उन्होंने स्टार्क को मात्र एक रन पर नवदीप सैनी के हाथों कैच आउट करवाया। सिराज ने पांचवां विकेट झटकते हुए हेजलवुड को अपना शिकार बनाते हुए उन्हें शार्दुल के हाथों कैच आउट करवाया। हेजलवुड ने 11 गेंदों पर 9 रन बनाए। वहीं कमिंस 28 रन बनाकर नाबाद वापस लौटे। शार्दुल ने भारतीय टीम को 2 सफलताएं दिलाईं। पहले 61वें ओवर की पांचवीं गेंद पर उन्होंने ग्रीन को और फिर कप्तान टिम पेन को भी पेवेलियन पवेलियन भेजा। ग्रीन ने 37 जबकि पेन ने 27 रन बनाए।

'पहले पिता को खोया, दर्शकों से गाली सुनी और फिर लिए 5 विकेट'

- पूर्व भारतीय ओपनर ने की मोहम्मद सिराज की तारीफ

चौथे टेस्ट मैच के चौथे दिन भारत के लिए मैच में मोहम्मद सिराज ने 5 विकेट अपने नाम किए। यह उनका टेस्ट मैच की एक पारी में पहला 5 विकेट हॉल है। सिराज ने दूसरी पारी में मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, मैथ्यू वेड, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को आउट किया। मोहम्मद सिराज ने स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का चौथा और आखिरी मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा में खेला जा रहा है। मैच के चौथे दिन भारत के लिए मैच में मोहम्मद सिराज ने 5 विकेट अपने नाम किए। यह उनका टेस्ट मैच की एक पारी में पहला 5 विकेट हॉल है। उनके इस प्रदर्शन की तारीफ भारत के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग और आकाश चोपड़ा ने की। दोनों ने सिराज को बेहतरीन गेंदबाज और भारत का भविष्य बताया। आकाश ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ''उसने अपने पिता को खोया लेकिन ऑस्ट्रेलिया में टीम के साथ रहने का फैसला किया। क्योंकि कड़े क्वारंटीन ने नियमों के कारण खेल नहीं पाते। इसके बाद उन पर नस्लीय टिप्पणी की गई थी। सिडनी के बाद गाबा में भी ऐसा हुआ। इन सबको अपने खेल पर हावी नहीं होने दिया। तीसरा ही टेस्ट मैच था। टीम की गेंदबाजी का लीडर बना दिया गया। जिम्मेदारी को निभाया और 5 विकेट लिए। नाम है मोहम्मद सिराज और क्रिकेट पर होगा इनका राज।'' दूसरी ओर, वीरेंद्र सहवाग ने भी सिराज की तारीफ की।

रोहित शर्मा ने स्टीव स्मिथ को चिढ़ाया?

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मैच के दौरान बहुत पुराने समय से स्लेजिंग होती रही है। हालांकि, अब टीम इंडिया पहले से बदल गई है। अब वह बराबर से जवाब देने में विश्वास करती है। टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले भी शुभमन गिल ने भी स्लेजिंग को लेकर अपने विचार रखे थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट के चौथे दिन लंच से पहले ड्रिंक्स के दौरान रोहित शर्मा पिच पर ''शैडो प्रैक्टिस''करते नजर आए। उनका अंदाज बिल्कुल स्टीव स्मिथ जैसा था। जी हां, स्टीव स्मिथ को मैच के दौरान अक्सर शैडो बैटिंग करते हुए देखा जाता है। सोमवार को उसी अंदाज मे रोहित शर्मा शैडो बल्लेबाजी करते हुए दिखाई दिए, वह भी तब जब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की बल्लेबाजी चल रही थी। खास यह रहा है कि रोहित जब शैडो बैटिंग कर रहे थे, तब उन्हें स्टीव स्मिथ भी देख रहे थे।

वार्न ने नटराजन पर नो बॉल फेंकने का संदेह जताया

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज लेग स्पिनर शेन वार्न ने भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज टीम नटराजन की गेंदबाजी पर संदेह व्यक्त किया है। वार्न के अनुसर अपना पहला मैच खेल रहे नटराजन नो बॉल फेंक रहे हैं। वार्न ने कॉमेंट्री के दौरान ही पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर से कहा कि नटराजन ने सात नो बॉल्स डाली हैं। वार्न ने कहा कि मुझे नटराजन की गेंदबाजी के दौरान कुछ चीजे अलग दिखाई दी हैं। नटराजन ने अपने पहले मैच में 7 नो बॉल फेंकी और यह सभी नो बॉल छोटी नही थी बल्कि बहुत बड़ी थी। इन नो बॉल्स में से 5 नो बॉल पहली गेंद पर फेंकी है। हम सभी ने गेंदबाजी के दौरान नो बॉल फेंकी हैं पर 5 नो बॉल वह भी पहली गेंदों पर यह काफी दिलचस्प है। गौरतलब है कि नटराजन ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया से ही की है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भावुक हुए सिराज

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में भारत को 328 रन का लक्ष्य मिला है। चौथे दिन का खेल खत्म होने के समय तक टीम इंडिया ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 1.5 ओवर में 4 रन बना लिए थे। इस तरह उसे मैच जीतने के लिए आखिरी दिन 324 रन और बनाने हैं। भारत के लिए यह लक्ष्य असंभव नहीं है तो आसान भी नहीं है। शायद यही वजह है कि भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने रोहित शर्मा और शुभमन गिल समेत पूरी टीम इंडिया को सतर्क किया है। गाबा टेस्ट की दूसरी पारी में 5 विकेट लेने वाले सिराज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पिता को याद किया। वह वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भावुक हो गए। उनके लिए अपनी भावनाएं व्यक्त करना आसान नहीं रहा। सिराज ने टेस्ट करियर में पहली बार पारी में पांच विकेट लिए हैं। उन्होंने 73 रन देकर 5 विकेट लिए। सिराज ने चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद भारतीय बल्लेबाजों को गाबा के विकेट को लेकर सतर्क किया। गाबा के विकेट में हल्की दरारें पड़ चुकी हैं। सिराज को लगता है कि पिच में कुछ ऐसी खुरदुरी जगह बन गयी हैं जहां से असमान उछाल मिल सकती है। सिराज ने कहा, ह्यजब वे गेंदबाजी करेंगे तो निश्चित तौर पर पिच में कुछ दरार होने के कारण बल्लेबाजों की दिमाग में थोड़ा भ्रम की स्थिति बनी रहेगी लेकिन हमारे बल्लेबाज इसके लिये तैयार हैं। हम इसके बारे में कल ही जान पाएंगे।

एक नजर इधर भी

सरजेवो में एक मैराथन रेस में भाग लेते हुए प्रतियोगी।

बीते साल सबसे ज्यादा रहा मार्केट शेयर

वर्ष 2020 में 21,826 यूनिट्स होंडा सिटी बेची

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बीते साल 2020 में जनवरी से दिसंबर तक कंपनी होंडा कार्स इंडिया ने कुल 21,826 यूनिट्स होंडा सिटी कारों की बिक्री की।कंपनी की यह कार मिड-साइज सेडान सेगमेंट में बिक्री के मामले सबसे आगे रही। होंडा की भारत में सबसे लंबे समय तक चलने वाले कार मॉडल होने की सच्ची विरासत के साथ, ऑल न्यू 5वें जनरेशन सिटी को जुलाई 2020 में लॉन्च किया गया था। अब एक बार फिर इस कार ने अपने प्रीमियम डिजाइन, तकनीकी कौशल, बेजोड़ कंफर्ट, बेहतर सुरक्षा और कनेक्टिविटी के साथ बेंचमार्क को और ऊंचा उठा दिया है। दिसंबर 2020 के दौरान अपने सेगमेंट में होंडा सिटी की बाजार हिस्सेदारी 41 फीसदी थी। होंडा सिटी न केवल इस सेगमेंट में बिक्री के मामले में सबसे आगे रही है, वहीं यह कार मिड साइज सेडान सेगमेंट की कुल ग्रोथ में भी योगदान दे रही है। जुलाई में ऑल न्यू 5वें जनरेशन सिटी के लॉन्च के बाद दिसंबर 2020 तक इस सेगमेंट की ग्रोथ 10फीसदी दर्ज की गई। जुलाई से दिसंबर 2020 तक इस सेगमेंट में कुल बिक्री 45,277 इकाई रही है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 41,122 इकाई कारों की बिक्री हुई थी। जुलाई-दिसंबर 2020 की अवधि में कुल 17,347 यूनिट होंडा सिटी कारों की बिक्री हुई है। इस प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए राजेश गोयल, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर (मार्केटिंग एवं सेल्स), होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने कहा कि सिटी ब्रांड भारत में होंडा का पर्याय बन गया है। लगातार खुद को और बेहतर बनाते हुए, होंडा सिटी की हर जनरेशन ने अपने ग्राहकों को लुभाने के लिए नई तकनीक और बेहतर सुविधाएं प्रदान की हैं। इसी क्रम में इस कार ने क्वालिटी का एक नया बैंचमार्क और विश्वास हासिल किया है। पिछले साल जुलाई में 5वें जनरेशन होंडा सिटी के लॉन्च ने चुनौतीपूर्ण समय होने के बावजूद मिड साइज सेडान सेगमेंट को बेहद जरूरी प्रोत्साहन दिया।

एथलेटिक से हारी बार्सिलोना मेसी को दिखाया गया लाल कार्ड

सेविले ■ एजेंसी

बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी को करियर में पहली बार लाल कार्ड दिखाया गया है। सी को स्पेनिश सुपर कप के फाइनल में एथलेटिक क्लब के साथ हुए मुकाबले में उनके आक्रमक व्यवहार को देखते हुए दिखाया गया है। इस मैच में बार्सिलोना को 2-3 से हार का सामना करना पड़ा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार मैच के अतिरिक्त समय में एथलेटिक के फॉरवर्ड खिलाड़ी एसिएर विलालिब्रे के खिलाफ मेसी का व्यवहार आक्रामक नजर आया। जिसके कारण ही मेसी को लाल कार्ड दिखाया गया। बार्सिलोना की ओर से खेलने के दौर अब तक के 753 मैचों में यह पहली बार है जब उन्हें लाल कार्ड दिखाया गया है। एथलेटिक से मुकाबले में एंटोइने ग्रीजमैन ने 40वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को 1-0 से बढ़त दिला दी। इसके दो मिनट बाद ही ओस्कर डी मार्कोस ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं ग्रीजमैन ने फिर 70वें मिनट में एक और गोल कर बार्सिलोना को फिर बढ़त दिला दी। वहीं 90वें मिनट में एसिएर विलालिब्रे और उनके तीन मिनट बाद ही इनाकी विलियम्स ने गोल कर एथलेटिक को जीत दिला दी।

भारतीय महिला हॉकी टीम का अर्जेंटीना से पहला मुकाबला ड्रा

ब्यूनस आयर्स । भारतीय महिला हॉकी टीम के अर्जेंटीना दौरे की शुरूआत ड्रॉ से हुई है। भारतीय टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ पहला मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा है। भारतीय टीम की ओर से शर्मिला देवी और दीप ग्रेस इक्का ने एक-एक गोल किया। स्ट्राइकर शर्मिला ने 22वे और इक्का ने 31 वें मिनट में गोल दागे। वहीं अर्जेंटीना की ओर से पाउला सांटामारिना ने 28 वें और ब्रिसा ब्रगेसेर ने 48 वें मिनट में गोल किए। कोरोना महामारी को देखते हुए भारतीय टीम करीब एक साल बाद अंतरराष्ट्रीय मैच खेल खेलने उतरी थी। भारतीय टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, ह्ययह लंबे समय बाद पहला मैच था। लगभग एक साल बाद खेलते हुए लय में आने में समय लगता है। हम 23 खिलाड़ियों को लेकर उतरे हैं जिससे सभी को लंबे समय बाद खेलने का अनुभव मिल सके।' भारत ने पहले ही क्वार्टर में आठवें और नौवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाए पर अर्जेंटीना के डिफेंडरों ने उन्हें गोल नहीं करने दिया। मैच के दूसरे क्वार्टर में भारत को 22वें मिनट में शर्मिला के गोल से बढत मिली हालांकि वह छह मिनट तक ही बरकरार रही।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराया

- 1- 0 से सीरीज में बढ़त हासिल की

गाले ■ एजेंसी

इंग्लैंड ने पहले क्रिकेट टेस्ट में मेजबान श्रीलंकाई टीम को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 74 रनों के छोटे से लक्ष्य को इंग्लैंड ने तीन विकेट के नुकसान पार हासिल कर लिया। जॉनी बेयरस्टॉ और डैन लारेंस के बीच हुई 52 रन की शानदार साझेदारी से टीम को यह जीत मिली। चौथे दिन के अंत तक इंग्लैंड ने अपने तीन विकेट महज 14 रन पर गंवा दिए थे पर इसके बाद बेयरस्टॉ और लारेंस ने उसे संकट से निकाला। बेयरस्टॉ 65 गेंद में 35 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि लारेंस ने 21 रन बनाए। इसी के साथ ही दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में इंग्लैंड टीम 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में श्रीलंका ने पहली पारी में 135 रन बनाने के बाद सलामी बल्लेबाजों कुसल परेरा और थिरमाने के बीच हुई शानदार साझेदारी से दूसरी पारी में वापसी का पूरा प्रयास पर मध्यक्रम की बल्लेबाजों के असफल होने से वह मेहमान टीम को 74 रनों का ही लक्ष्य दे पायी। ऐसे में अंतिम दिन जीत के लिए इंग्लैंड टीम को केवल 36 रनों की जरुरत थी जो उसने आसानी से हासिल कर लिए। बेयरस्टॉ को एक जीवनदान भी मिला वह तीसरे ही ओवर में दिलरूवान परेरा की गेंद पर पगबाधा हो जाते पर श्रीलंकाई कप्तान दिनेश चांदीमल ने रिव्यू नहीं लिया। इससे पहले श्रीलंका के पहली पारी के 135 रन के जवाब में इंग्लैंड ने कप्तान जो रुट के दोहरे शतक 228 रनों से 421 रन बनाए थे। श्रीलंका ने दूसरी पारी में 359 रन बनाए।

स्मार्टफोन -बजट स्मार्टफोन की कीमत हो गई 8,490 रुपए

फिर घटाए ओप्पो ए12 के दाम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चाइनीज कंपनी ओप्पो ने अपने बजट स्मार्टफोन ओप्पो ए12 के दाम फिर घटा दिए हैं। ओप्पो ने इस बेहतरीन मोबाइल की कीमत 500 रुपये और कम कर दी है, जिसके बाद इसके 3जीबी रैम+ 32जीबी स्टोरेज वेरियंट की कीमत महज 8,490 रुपये हो गई है। वहीं ओप्पो ए12 के 4जीबी रैम + 64जीबी स्टोरेज वेरियंट की कीमत 500 रुपये घटने के बाद महज 10,990 रुपये हो गई है। ओप्पो मे इससे पहले भी अपने इस बजट स्मार्टफोन की कीमत घटाई थी। ओप्पो ए12 कंपनी का काफी पॉप्युलर बजट स्मार्टफोन है और इसके दोनों वेरियंट की खूब बिक्री होती है। हालांकि, यहां बता हूं कि ओप्पो ने ओप्पो ए12 के दाम में 500 रुपये की कमी सिर्फ ऑफलाइन खरीदने वालों के लिए की है, ऐसे में आप अगर इस मोबाइल को ऑनलाइन खरीदते हैं तो आपको कोई लाभ नहीं मिलेगा, वहीं दुकान से खरीदने पर आपको 500 रुपये का फायदा हो जाएगा। ओप्पो ने ओप्पो ए12 को बीते साल जून में 9,990 रुपये की शुरूआती कीमत के साथ लॉन्च किया था और तब से इसकी कीमत में 1500 रुपये की कटौती हो गई है। ओप्पो ए12 में मीडियाटेक हे?लियो पी35 एसओसी प्रोसेसर लगा है। इस फोन में कंपनी ने डुअल रियर कैमरा सेटअप दिया है, जिसमें प्राइमरी सेंसर 13 मेगापिक्सल का है। इसके साथ ही 2 एमपी का डेप्थ सेंसर भी है। ओप्पो ए12 में 5 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा है। ओप्पो के इस फोन में 4230 एमएएच की बैटरी लगी है। बाकी कई सारी खूबियां ओप्पो ए12 में है, जिससे यह बजट स्मार्टफोन सेगमेंट में काफी पॉप्युलर है। ओप्पो ए12 की स्पेसिफिकेशंस की बात करें तो इसमें 6.22 इंच का एचडी+ डिस्प्ले लगा है, जिसका रिजॉल्यूशन 720७1520 पिक्सल है। ओप्पो ने इस फोन को 3जीबी और 4जीबी रैम के साथ लॉन्च किया था और इसमें 32 जीबी और 64 जीबी स्टोरेज ऑप्शन है।

रुपया 15 पैसे टूटकर 73.22 के स्तर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में कमजोर शुरूआत और अमेरिकी मुद्रा की मबजूती के चलते रुपया सोमवार को शुरूआती कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 15 पैसे टूटकर 73.22 के स्तर पर आ गया। कारोबारियों ने कहा कि डॉलर सूचकांक के एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने के चलते रुपया कमजोर हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.21 पर खुला और आगे गिरावट के साथ 73.22 के स्तर पर आ गया, जो पिछले बंद के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट को दशार्ता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 73.07 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत बढ़कर 90.85 के स्तर पर आ गया। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को सकल आधार पर 971.06 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर...

पुलिस थाना हजीरा जिला ग्वालियर ने 4 वर्ष पुराने चाकू मारने के मामले में गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार किया

पुलिस थाना हजीरा के टारगेट पर हैं कई स्थाई व गिरफ्तारी वारंटी

सुरजीत राजावत

पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य) श्री पंकज पांडेय व नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा श्री अखिलेश रेनवाल के निर्देशन व पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर टी आई आलोक सिंह परिहार के नेतृत्व में पुलिस थाना हजीरा की टीम ने चाकू मारने के मामले में गिरफ्तारी वारंटी को सुभाष नगर ग्वालियर से गिरफ्तार किया । मान्यनीय न्यायालय मयंक मोदी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ग्वालियर के द्वारा प्रकरण क्रमांक 5905 /17 थाना हजीरा अपराध क्रमांक 471/ 17 धारा 294 ,323,324,506 में जारी किया गया था। उक्त प्रकरण में वारंटी नीतेश आर्य निवासी सुभाष नगर ने फरियादी अपने भाई भरत आर्य व पिताजी निवासी सुभाष नगर ग्वालियर को चाकू मारकर घायल किया था । गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई नरेंद्र छिकारा, प्रधान आरक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान, जय सिंह, आरक्षक जनक सिंह, श्री कृष्ण राठौर, हेमंत, राजेश यादव व प्रमोद शर्मा शामिल रहे।

विभागों के श्रेष्ठ कार्यों और नवाचारों की जानकारी सामने आए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की मंत्रियों से चर्चा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अनेक विभाग जनकल्याण से जुड़े श्रेष्ठ कार्य कर रहे हैं। अनेक नवाचार अपनाए गए हैं। इनकी जानकारी आमजन तक पहुंचे इसके लिए मंत्रिगण नेतृत्व करते हुए ऐसी गतिविधियों से अवगत करवाएं। अच्छे कामों से अन्य विभाग और व्यक्ति भी इस दिशा में प्रेरित होते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में मंत्रि परिषद की बैठक से पहले मंत्रि परिषद के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

आयडिया सुझाएं, निर्णय लेंगे–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मंत्रिगण अपने विभाग से संबंधित एक विशेष नवाचार या कार्य का आयडिया भी प्रस्तुत करें। हम नीति निर्माता हैं। मंत्रियों को विभाग की गतिविधियों के साथ ही शासन की महत्वपूर्ण गतिविधियों की जानकारी भी रहे तो श्रेयस्कर होगा। अन्य विभागों के कार्यों से भी मंत्री अवगत रहें। मंत्रियों द्वारा प्रस्तुत आयडिया के संबंध में विचार-विमर्श कर निर्णय भी लिया जाएगा। क्रमानुसार सभी विभागों के प्रस्तुतिकरण होंगे।

गेहूँ के बाद व्यवस्थित धान खरीदी की उपलब्धि–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में रिकार्ड तोड़ गेहूँ खरीदी हुई थी। मध्यप्रदेश, देश में सर्वाधिक उपार्जन वाला राज्य बना। इसी तरह धान की खरीदी भी ऐतिहासिक रही। मध्यप्रदेश का किसान संतुष्ट है। किसानों को समय पर राशि का भुगतान हुआ। प्रदेश में धान के उपार्जन का कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। मंत्रिगण भी बधाई के पात्र हैं। सभी के सहयोग से यह उपलब्धि मिली है।

कुचलना है माफियाओं को–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में शराब माफियाओं को पूरी तरह कुचलना है। मुरैना में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतें दुःख और दुर्भाग्य का विषय हैं। शासन ने शराब माफियाओं के विरुद्ध अभियान शुरु किया है

संबल योजना के हर पात्र हितग्राहियों को दिया जाएगा योजना का लाभ – पूर्व मंत्री गिर्राज डण्डोतिया

मुरैना / मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा संबल योजना के 10 हजार 285 हितग्राहियों के खाते में मंगलवार को 285 करोड़ का भुगतान एक क्लिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नगर निगम एवं श्रम विभाग द्वारा जीवाजी गंज स्थित टाउन हॉल मुरैना में किया गया। जिसमें योजना के 18 संबल योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता प्रदान की गई।

बिजली बिल भुगतान हेतु चैक स्वीकार किए जाएं: एमपीसीसीआई

ऊर्जा मंत्री- प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक को लिखा पत्र

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) द्वारा बिजली बिल भुगतान हेतु चैक स्वीकार किए जाने के लिए ऊर्जा मंत्री- प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक को पत्र प्रेषित किया गया है।

एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 01जून,2020 से उपभोक्ताओं के विद्युत बिलों के भुगतान हेतु चेक स्वीकार नहीं किये जा रहे हैं। वितरण कंपनी द्वारा चैक स्वीकार न करने के कारण हजारों उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि बहुत से उपभोक्ता अब तक डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग नहीं कर पाते हैं अथवा उपयोग करने में सहज महसूस नहीं करते हैं। वहीं डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने में अतिरिक्त चार्ज लिया जाता है।

एमपीसीसीआई ने सुझाव दिया है कि यदि चैक अनादृत होने की समस्या के चलते वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है तो इस स्थिति से निपटने के लिए जिन उपभोक्ताओं का चैक एक बार अनादृत हो जाये उनके चैक भविष्य में स्वीकार न किए जाने का प्रावधान सॉफ्टवेयर में किया जा सकता है। एमपीसीसीआई ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि उपभोक्ताओं को बिल भुगतान हेतु चेक की सुविधा जारी रखी जाए ताकि बिल भुगतान में होने वाली असुविधा एवं अतिरिक्त चार्ज की राशि से उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। उपभोक्ताओं द्वारा बिजली कंपनी से इसकी मांग काफी समय से की जा रही है जबकि बिजली कंपनी कोई न कोई एक्सक्यूज देकर यह व्यवस्था पुनः लागू नहीं कर रही है। यदि बिजली कंपनी ने यह व्यवस्था शीघ्र प्रारंभ नहीं की तो ग्वालियर अंचल के उपभोक्ताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है और चेम्बर इसमें अग्रणी भूमिका निभाने को तत्पर है।

निगमायुक्त ने किया सडकों का निरीक्षण दिए पेंच रिपेयरिंग एवं साफ सफाई निर्देश

ग्वालियर- नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने आज मंगलवार को सुबह शहर की विभिन्न सड़कों का निरीक्षण किया तथा सड़कों के डिवाइडरों की रंगाई पुताई करने एवं सड़कों के दोनों और साफ-सफाई के निर्देश दिए। निगमायुक्त वर्मा ने आज सुबह एयरपोर्ट रोड से होते हुए पिंटो पार्क, गोला का मंदिर, विश्वविद्यालय रोड होते हुए न्यू कलेक्ट्रेट के पीछे तक की सड़कों का निरीक्षण किया तथा सड़कों में जो भी गड्ढे हैं उनकी पेंच रिपेयरिंग करें तथा जहां भी समस्या है उसका निराकरण करें। इसके साथ ही सड़कों के दोनों ओर गाजरघास कटाई व साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। साथ ही सड़कों पर बने डिवाइडर की उचित रंगाई पुताई करने व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री प्रदीप चतुर्वेदी, आर एल एस मौर्य, प्रेम पचैरी सहित अन्य संबंधित इंजीनियर एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

वार्ड 53 में चलाया अभियाःवार्ड 53 के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता निरीक्षक रामचंद्र धौलपुरिया द्वारा अभियान चलाकर सफाई कराई गई तथा नालियां साफ कराकर कचरा निकलवाया गया और आमजनों को स्वच्छता के लिए जागरुक किया गया।

मुरैना में महापंचायत 20 जनवरी को कांग्रेस किसानो की बुलंद करेगी आवाज: डॉ. देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर । शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा एवं ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह ने बताया कि ग्वालियर जिले से 20 जनवरी को मुरैना में किसानो की महापंचायत में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए किसानो की आवाज बुलंद की जाएगी। महापंचायत में मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेसनेता गण किसान विरोधी भाजपा मोदी को बेनकाब करेंगे। ग्वालियर से 50 हजार से अधिक कांग्रेसजन किसान भाजपा सबक सिखाने के लिए किसानो का साथ देने के लिये महापंचायत मे रवाना होंगे। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा एवं ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह, विधायक लाखन सिंह, विधायक प्रवीण पाठक, विधायक डॉ सतीश सिकरवार, विधायक सुरेश राजे, 2020 के कांग्रेस विधानसभा प्रत्याशी प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से ब्लॉक कांग्रेस कमेटियां, मंडलम कांग्रेस कमेटियां, सेक्टर कांग्रेस कमेटियां, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई, कांग्रेस विभाग प्रकोष्ठ के पदाधिकारी सहित प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता रैलियों के साथ आज 20 जनवरी को प्रातः 8.00 बजे से ट्रेक्टर, ट्रोलियां, दुपहिया, चार पहिया वाहनो के साथ किसान महापंचायत में सम्मलित होने के लिये प्रस्थान करेंगे और मुरेना पहुचंकर किसानो की आवाज को बुलंद करेंगे।

निगमायुक्त शिवम वर्मा की त्वरित कार्यवाही से जनसुनवाई में आमजनों के चेहरे खिले

ग्वालियर – जनसुनवाई में आमनागरिकों की समस्याओं का निराकरण गंभीरता से एवं शीघ्र करना संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। किसी भी एक समस्या के लिए नागरिकों को बार बार चक्कर नहीं लगाने पडे। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने आज जनसुवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए। निगमायुक्त वर्मा ने जनसुवाई में आने वाले नागरिकों के लिए अपने सामने कुर्सी डलवाई तथा उस पर संबंधित व्यक्ति को बैठाकर गंभीरता से उसकी समस्या सुनी और शीघ्र समस्या का निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। वहीं कई समस्याओं का निराकरण तो मौके पर ही कराया। जिसमें 3 बुजुर्ग नागरिकों की पेंशन मौके पर ही स्वीकृत कर उन्हें स्वीकृति पत्र प्रदान किया। निगमायुक्त वर्मा की त्वरित कार्यवाही से जनसुनवाई में आने वाले नागरिकों के चेहरे खिल गए। नगर निगम में आज जनसुनवाई के दौरान लोगों द्वारा बताई जा रही समस्या का त्वरित निराकरण होने पर आमजनों में भी खुशी थी और वह धन्यवाद देते हुए बाहर निकले। वहीं 3 निगम कर्मचारी भी अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर जनसुनवाई में पंहुचे जिस पर निगमायुक्त वर्मा ने उनकी भी समस्याएं सुनी तथा उनके निराकरण का आश्वासन भी दिया। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिए कि आगामी जनसुनवाई में निगम का कोई कर्मचारी नहीं आए क्योंकि निगम के कर्मचारियों के लिए वह हमेशा उपलब्ध हैं तथा किसी भी माध्यम से कर्मचारी उन्हें अपनी समस्या बता सकता है, लेकिन जनसुनवाई सरकार जनसुनवाई में दर्पण कॉलोनी थाटीपुर के निवासियों द्वारा नाला सफाई के लिए आवेदन दिया जिस पर संबंधित अधिकारी को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। वहीं वार्ड 4 स्थित चन्द्रनगर के निवासियों द्वारा अमृत योजना के तहत सीवर लाइन डालने का आग्रह किया जिस भी कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

बेटी है तो सृष्टि है के तहत भाविप ने बेटियों को बांटी किताबें

ग्वालियर। भारत विकास परिषद तानसेन शाखा द्वारा बेटी है तो सृष्टि है सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में बेटियों को गुड़ चना लोहे की कढ़ाई तथा स्टेशनरी का वितरण किया गया ! भारत विकास परिषद द्वारा देशभर में बेटी है तो सृष्टि है सप्ताह के अंतर्गत द्वितीय दिन लक्ष्मी बाई कॉलोनी पड़ाव ग्वालियर में बेटियों के तन और मन के विकास के लिए गुड़ चना लोहे की कढ़ाई तथा पढ़ाई के लिए स्टेशनरी का वितरण किया गया ! कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया ! कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष कमल किशोर गुप्ता द्वारा स्वागत भाषण दिया गया । इस अवसर पर श्रीमती अलका कुशवाहा प्राचार्य वेलएयर स्कूल लक्ष्मी बाई कॉलोनी , ग्वालियर, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती मनीषा श्रीवास्तव व किष्टी गोस्वामी ने बताया

कि परिषद की शाखा द्वारा बेटियों के तन और मन के विकास के लिए गुड़ चना लोहे की कढ़ाई तथा पढ़ाई के लिए स्टेशनरी का वितरण किया गया, जो बेटियों के विकास में बहुत उपयोगी सिद्ध होगा ! मुख्य अतिथि श्रीमती मंजू त्रिपाठी द्वारा कार्यक्रम को अनोखा बताते हुए बच्चियों के स्वास्थ्य के हित में सराहनीय बताया गया ! इसके अतिरिक्त सायंकाल 5:00 बजे शाखा द्वारा बिरला नगर रेलवे लाइन के किनारे रहने वाले झुग्गी झोपड़ी वासियों को कंबल व अन्य गर्म वस्त्रों का वितरण किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन उपाध्यक्ष अशोक शर्मा द्वारा किया गया तथा सह संयोजिका श्रीमती अर्चना मिश्रा द्वारा पधारे अतिथि शाखा सदस्यों बेटियों का आभार व्यक्त किया गया ! इस अवसर पर शाखा की ओर से श्रीमती अंजू भार्गव, श्रीमती ज्योति चतुर्वेदी, श्रीमती सुशीला गुप्ता, डॉ श्रीमती निधि गर्ग, श्रीमती नीलू शर्मा, श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव ,श्रीमती अंजू खरे, अंजू जैन सहित डॉ अनिल शर्मा , जयजीव मिश्रा संजय श्रीवास्तव , अभय गर्ग , आशीष गोस्वामी , राकेश खरे , यासीन खान मंसूरी एवं लक्ष्मी नारायण रिछारिया आदि विशेष रुप से उपस्थित रही ।

GPS BASED VEHICLE TRACKING SYSTEM & MANAGEMENT FROM W2TRACK SOLUTIONS
Please call us for demo/order: +91 9827270016/7738373527/7738373526
जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग और वाहन प्रबंधन प्रणाली - अपने परिवहन प्रणाली को अधिक उत्पादक, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाएं।
W2TRACK
✓GPS based Track, Monitor & Analyze your vehicles in real-time
✓Digital records of all your fleet operations at Central place
✓Optimise your Routes, Scheduling and Dispatch
✓Improve Driver Behaviour, remotely immobilize vehicle etc.
✓Improve productivity, efficiency & safety
✓Manage fleet expenses & reduce operational cost (ROI)
✓Power Your Fleets with Latest AIS 140 GPS Devices
Website & Mobile based Application/Software
MAKE IN INDIA
₹2999
Basic GPS Based Fleet Monitoring System with Advanced Reporting
RTO ApprovedNTEGRATEAIS 140 GPS Device (ARAI/ICAT Approved)
PUBLIC TRANSPORT VEHICLES
-SCHOOL BUSES
-TAXI/CABS
-TRANSIT BUSES
-INTERCITY BUSES
COMMERCIAL VEHICLES
SABA TECHNOSOFT
Deliver The Best, Performance Assured
₹5999
GSTIN: 27ACUFS2949C1ZO www.w2track.com (Locations PAN India GPS Service)

कलेक्टर ने दिनारपुर की 45 बीघा भूमि शासकीय घोषित की

ग्वालियर। दिनारपुर तहसील मुरार की 45 बीघा भूमि को कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सरकारी घोषित कर दिया है। उक्त भूमि का बाजार मूल्य लगभग 100 करोड़ रूपए है। 75 साल बाद जिला न्यायालय से भूमि को शासकीय घोषित करने का आदेश पारित हुआ है। भूमि को शासकीय घोषित करने के साथ ही भूमि पर प्रशासन द्वारा आधिपत्य भी प्राप्त कर लिया गया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को अपने न्यायालय से दोपहर 12.38 बजे आदेश पारित करते हुए दिनारपुर की सर्वे क्रमांक-376 लगाकर 411 तक की कुल भूमि 45 बीघा 10 बिस्वा को शासकीय घोषित करने के आदेश पारित किए हैं। उक्त प्रकरण में आवेदक श्री नौमी सिंह पुत्र सुरजन सिंह ने भूमि को अपना बताकर भू-अर्जन का मुआवजा न मिलने और भूमि पर खुद का ही कब्जा बताने का आवेदन वर्ष 2017 में लगाया था। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अपने आदेश में बताया है कि 75 वर्ष पूर्व 1945 में भूमि को उद्योग विभाग के लिये आरक्षित किया गया था। उद्योग विभाग द्वारा उक्त भूमि का कब्जा नहीं लिया गया और न ही कोई भू-अर्जन की राशि प्रदान की थी। आवेदक ने भू-अर्जन की राशि की माँग करने के साथ ही भूमि पर स्वयं का कब्जा बताकर जमीन वापस करने का आवेदन किया।

प्रो.- विपिन सिंह तोमर
(संचालक सौम्या प्रापर्टी डीलर)
मो.-9301759475
9713253992
मेल- vipintomar172@gmail.com
सौम्या प्रोपर्टी डीलर
आवासीय भूमि (प्लॉट, फ्लैट, मकान, बंगला, खरीदने, बेचने व किराये) पर लेने देने के लिये सम्पर्क करें
ग्वालियर शहर में प्रोपर्टी खरीदने व बेंचने के लिये सम्पर्क करें
पता- दुकान न. 3/4 तोमर मार्केट, गायत्री मंदिर वाली गली, पिंटो पार्क, ग्वा.

P TV NEWS INDIA
प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रॉनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478